दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 322 | ग्वालियर, गुरुवार 31 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

फाइजर की कोरोना वैक्सीन में झोल? टीका लगने के एक हफ्ते बाद ही हेल्थ वर्कर हो गया पॉजिटिव

वॉशिंगटन। अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों में कोरोना वैक्सीन लगने की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान, टीके के साइड इफेक्ट भी सामने आ रहे हैं। वहीं, अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसके बाद फाइजर कंपनी की वैक्सीन पर सवाल उठने लगे हैं। दरअसल, एक हेल्थ वर्कर ने दावा किया है कि उसे वैक्सीन लगने के एक हफ्ते बाद कोरोना हो गया। इस संबंध में, 45 वर्षीय हेल्थ वर्कर ने एक फेसबुक पोस्ट लिखकर जानकारी दी है। एबीसी न्यूज के हवाले से बताया गया है कि स्थानीय अस्पताल में हेल्थ वर्कर का काम करने वाले मैथ्यू डब्ल्यू. को 18 दिसंबर को वैक्सीन लगाई गई थी। फेसबुक पोस्ट में मैथ्यू ने लिखा, 18 दिसंबर को मुझे फाइजर की कोरोना वैक्सीन लगाई गई। इसके बाद, जिस हाथ में वैक्सीन लगी, उसमें सूजन आ गई। हालांकि, कोई भी साइड इफेक्ट नहीं देखा गया। इसके छह दिनों के बाद, कोविड-19 यूनिट में काम करने के बाद क्रिसमस की शाम को बीमार पड़ गया। मैथ्यू को ठंड लगने लगी और उसकी मांसपेशियों दर्द और थकान होने लगी। मैथ्यू ने क्रिसमस के अगले दिन नजदीक के अस्पताल में जाकर कोरोना की जांच करवाई, जिसमें वह पॉजिटिव पाया गया। सैन डियगो के फैमिली हेल्थ सेंटर में संक्रामक रोग विशेषज्ञ क्रिश्चियन रेमर्स ने बताया कि कभी भी इसकी कल्पना नहीं की गई थी कि ऐसा होगा। रेमर्स ने कहा, वैक्सीन के ट्रायल से हम जानते हैं कि कोरोना से सुरक्षा देने में वैक्सीन लगने के बाद 10-14 दिनों का समय लग सकता है। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि पहली डोज 50 फीसदी और फिर दूसरी डोज 95 फीसदी सुरक्षा देती है।

कोरोना वायरस से मिलेगी बड़ी राहत कोविशील्ड वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को भारत में आज मिल सकती है मंजूरी

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस के सामने आते नए मामलों के बीच आज (बुधवार) बड़ी राहत मिल सकती है। सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के लिए किए गए इमरजेंसी इस्तेमाल के आवेदन को आज मंजूरी मिल सकती है। इस वैक्सीन को भारत में कोविशील्ड टीके के नाम से जाना जाएगा। इससे पहले, ब्रिटेन ने भी बुधवार को ही ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन को मंजूरी दी है। भारत में कोविड-19 वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए सीरम संस्थान के आवेदन पर आज एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा विचार किया जाना है। इसके लिए मीटिंग जारी है।सीरम इंस्टीट्यूट के प्रमुख अदार पूनावाला भी हाल में जल्द ही खुशखबरी मिलने की उम्मीद जता चुके हैं। सूत्रों ने बताया था कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने बीते हफ्ते भी ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा मांगे गए कुछ डेटा सबमिट किए थे। यूके में हाल ही में पाए गए कोरोना के नए वेरिएंट से पैदा हुए हड़कंप के बीच सरकारी अधिकारियों ने हाल ही में कहा कि भारत या किसी अन्य देश में बनाई जा रही वैक्सीन पर इस स्ट्रेन से खास फर्क नहीं पड़ेगा।

राम मंदिर का नक्शा सार्वजनिक, 70 एकड़ के क्षेत्र में क्या-क्या होगा?

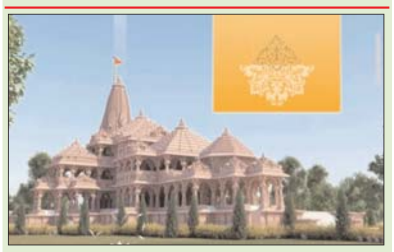

लखनऊ। अयोध्या में बनाए जा रहे भव्य राम मंदिर के निर्माण की प्रक्रिया जारी है. इस बीच बुधवार को श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से रामजन्मभूमि पर 70 एकड़ इलाके का नक्शा जारी किया गया. ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने अपने फेसबुक पेज पर 36 पेज का विकास प्रारूप जारी किया है, जिसमें जानकारी दी गई है कि इस परिसर में मंदिर के अलावा क्या-क्या बनेगा. राम मंदिर के प्रथम प्रारूप के निर्माण एवं विकास में मुख्य मंदिर, मंदिर परिसर, तीर्थक्षेत्र परिसर का विकास शामिल है, जबकि दूसरे में धरोहर संवर्धन के तहत अयोध्या तीर्थक्षेत्र के संलग्न श्रद्धा केंद्र का विकास शामिल किया गया है. जानकारी के मुताबिक, मंदिर के निर्माण का एरिया 57400 वर्गफीट में होगा. राममंदिर निर्माण में प्राकृतिक सामग्री का अधिकतम उपयोग किया जाएगा, इसमें बनने वाले भवनों का निर्माण पर्यावरण मानकों के अनुसार होगा. साथ ही कलाकृतियों, धरोहरों का संरक्षण भी किया जाएगा.

टीम इंडिया से जुड़े सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा, तालियों के साथ हुआ जोरदार स्वागत

दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ओपनर रोहित शर्मा टीम इंडिया के साथ मेलबर्न में जुड़ गए हैं। उनका स्वागत तालियों के साथ किया गया है। बीसीसीआई ने यह वीडियो अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। इसमें रोहित टीम इंडिया के सभी खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ से गले मिलते नजर आ रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का तीसरा मैच सिडनी में सात जनवरी से शुरू होने वाला है।

7725 करोड़ से औद्योगिक शहरों का होगा विकास

मोदी कैबिनेट का फैसला

बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि 7725 करोड़ की लागत से फ्रेट कॉरिडोर के औद्योगिक शहरों का विकास किया जाएगा.

नई दिल्ली। माल की ढुलाई को और सुविधाजनक बनाने के लिए फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट के औद्योगिक शहरों के विकास को मंजूरी दे दी गई है. बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि 7725 करोड़ की लागत से फ्रेट कॉरिडोर के पास के औद्योगिक शहरों का विकास किया जाएगा. केंद्रीय मंत्री

प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि इससे 3 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा. कैबिनेट के और फैसलों के बारे में बताते हुए प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि कृष्णपट्टनम बंदरगाह में 2139 करोड़ की लागत से औद्योगिक क्षेत्र का विकास होगा. तुमकुर में 1701 करोड़ की लागत से चेन्नई-बेंगलुरु इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का विकास होगा. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि इसके अलावा दादरी में मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक जोन विकसित करने की परियोजना है. दादरी के पास बोरा की रेलवे स्टेशन है. वहां मल्टीरोड ट्रांसपोर्ट हब और लॉजिस्टिक हब तैयार होगा. इसके लिए 3883 करोड़ का निवेश किया जाएगा. यहां पर उद्योगों के हिसाब से जमीन मुहैया कराई जाएगी.

हजारों करोड़ का निवेश, लाखों को रोजगार

मोदी सरकार ने देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर और उद्योगों के विकास के लिए बुधवार को कई बड़े ऐलान किये हैं. इनमें हजारों करोड़ रुपये का निवेश होगा और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि इन जगहों पर नया औद्योगिक शहर तैयार होगा जो ग्लोबल वैल्यू चेन का हिस्सा होगा. इसके लिए एक स्पेशल परपज व्हीकल बनाया जाएगा. इससे विदेशों से आने वाले निवेश और उद्योगों के लिए सहूलियत होगी.

पारादीप में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय बंदरगाह

केंद्रीय मंत्री मनसुख मनवाडिया ने बताया कि 3000 करोड़ रुपये खर्च करके ओडिशा के पारादीप में एक आधुनिक और विश्वस्तरीय बंदरगाह बनाने का निर्णय लिया है. उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में पारादीप एक महत्वपूर्ण बंदरगाह है. यहां एक आधुनिक डॉक बनेगा जहां विशाल जहाज आने में सक्षम हो पाएंगे. उन्होंने का कि मोदी जी के भविष्य की योजना के मुताबिक पारादीप पूर्वोदय का विकास केंद्र बनेगा. इससे पूर्वी भारत का उदय होगा

तीन देशों में नए एंबेसी

मोदी सरकार ने तीन देशों में नए एंबेसी बनाने का फैसला किया है. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि स्टोनिया, डोमिनिकन रिपब्लिक और पराग्वे में मिशन बनाए जाएंगे. इससे इन देशों के साथ भारत का संबंध बढ़ेगा. इसके साथ ही मोदी कैबिनेट ने भूटान के साथ सैटेलाइट को लेकर एमओयू साइन करने को मंजूरी दे दी.

संजय राउत की पत्नी को समन मिलने पर शिवसेना का पलटवार, ईडी का इस्तेमाल कर महाराष्ट्र सरकार गिरा नहीं सकती बीजेपी

मुंबई। शिवसेना ने बुधवार को बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उसे किसी वहम में नहीं रहना चाहिए कि वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का इस्तेमाल करके महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार को गिरा सकती है। पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में, शिवसेना ने यह भी आरोप लगाया कि ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जैसी सरकारी एजेंसियों का तेजी से पतन हो रहा है। ईडी ने शिवसेना नेता संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत को 4,300 करोड़ रुपये के पीएमसी बैंक धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। हालाँकि, वह मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश नहीं हुईं। बीजेपी की राज्य इकाई के प्रमुख चंद्रकांत पाटिल के उस बयान पर तंज कसते हुए कि ईडी एक गैर-राजनीतिक संस्थान है और संविधान के अनुसार काम करता है, शिवसेना ने कहा कि पाटिल ने पूछा है कि क्या संजय राउत संविधान में विश्वास नहीं करते हैं, लकिन हम पूछना चाहते हैं कि पाटिल भला कब से संविधान को लेकर इतना चिंतित होने लगे। पार्टी ने कहा, संविधान को लेकर राज्यपाल से सवाल पूछें। राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद की बारह सीटें जून में खाली हुई हैं और कैबिनेट की सिफारिशों के बावजूद सीटें नहीं भरी जा रही हैं। सामना में कहा गया, 2020 में, उद्धव ठाकरे सरकार को गिराने की सभी कोशिशें नाकाम रहीं। राज्यपाल की इच्छा वाली सरकारे अगले 25 साल भी नहीं बनने वाली।

कोरोना की वजह से गणतंत्र दिवस समारोह में हुए बदलाव

25 हजार लोग होंगे शामिल, परेड नैशनल स्टेडियम पर ही होगी खत्म

नई दिल्ली। साल 2020 में कोरोना का खतरा पूरी दुनिया पर तो छाया ही रहा और अब इस खतरे की वजह से ही गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर कई बदलाव किए गए हैं। हर साल 26 जनवरी को राजपथ पर मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस की परेड की लंबाई कम कर दी गई है इसमें शामिल होने वाले लोगों की संख्या भी घटा दी गई है। इस मामले के जानकार एक सूत्र ने बताया कि इस साल गणतंत्र दिवस पर 25 हजार से ज्यादा लोग शामिल नहीं हो पाएंगे। आमतौर पर यह संख्या 1 लाख होती है। इतना ही नहीं 15 साल से कम उम्र के बच्चों को भी परेड देखने के लिए अनुमति नहीं मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि सशस्त्र बलों और पैरा मिलिटरी की ओर से मार्च करने वाली टुकड़ियां भी छोटी रहेंगी। इन टुकड़ियों में सिर्फ 96 लोग होंगे, जहां पहले इसमें 144 लोग होते थे। इस बार परेड का रूट भी छोटा कर दिया गया है जिस वजह से यह विजय चौक से शुरू होकर नैशनल स्टेडियम पर ही खत्म हो जाएगी, जबकि पहले यह परेड लाल किले पर खत्म होती थी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की संख्या भी बेहद कम होगी। इस साल स्वतंत्रा दिवस समारोह पर भी कोरोना की मार पड़ी थी, जिसके परिणामस्वरूप इस समारोह में स्कूली छात्र शामिल नहीं हुए थे और वीआईपी मेहमानों की संख्या भी कम थी।

नए साल पर ट्रैफिक एडवाइजरी, 31 की रात इन इलाकों में रहेगी नो एंट्री

नई दिल्ली। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर ट्रैफिक जाम की समस्या से बचने के लिए पूरे शहर में यातायात व्यवस्था की है. खासकर उन इलाकों में विशेष इंतजाम किए गए हैं जहां नए साल (31 दिसंबर 2020) पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. जैसे कनॉट प्लेस और नई दिल्ली के आसपास के इलाके. इसी के साथ ट्रैफिक पुलिस ने कुछ इलाकों में वाहनों के आने-जाने पर प्रतिबंध भी लगाया है.

यातायात पुलिस ने लगाए कई प्रतिबंध–आगे चलकर नए साल के जश्न के समापन तक कनॉट प्लेस के आसपास के क्षेत्र में रात 8 बजे के बाद कोई भी निजी और सार्वजनिक परिवहन प्रवेश नहीं करेगा. किसी भी वाहन को कनॉट प्लेस से आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी. वैध पास ले जाने वालों को छोड़कर कनॉट प्लेस के सेंट्रल, मध्य या बाहरी सर्कल में किसी भी प्रकार के यातायात की अनुमति नहीं होगी.

वैध पास वालों को होगी प्रवेश की इजाजत–वैध पास ले जाने वालों को छोड़कर कनॉट प्लेस के आंतरिक, मध्य या बाहरी सर्कल में किसी भी प्रकार के यातायात की इजाजत नहीं होगी विभिन्न मार्गों से दक्षिण कनॉट प्लेस से आने वाले ट्रैफिक के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचने का रास्ता भी अलग किया गया है.

झूठ बोलने से बाज नहीं आ रहा चीन, वुहान के कोरोना मामलों पर अब खुली पोल

बीजिंग। चीन के वुहान शहर में पिछले साल कोरोना वायरस का पहला मामला सामने आया था। उस समय दुनिया में किसी को अंदाजा नहीं रहा होगा कि यह वायरस विश्वभर के तकरीबन सभी देशों को अपनी चपेट में ले लेगा और जमकर तबाही मचाएगा। कोरोना से जुड़े आंकड़ों को छिपाने की वजह से चीन लगातार अमेरिका समेत कई देशों के निशाने पर रहा है। उसे संदिग्धभरी नजरों से देखा जाता रहा है। अब हाल ही में वुहान में कोरोना से जुड़ी एक ऐसी स्टडी सामने आई है, जिससे चीन पर झूठ बोलने को लेकर शक और गहरा रहा है। दरअसल, चीनी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई स्टडी में पाया गया है कि वुहान के कोरोना के जारी आधिकारिक आंकड़ों से वास्तविक आंकड़े दस गुना अधिक हो सकते हैं। चीनी सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) की रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल तक शहर के 11 मिलियन (एक करोड़ दस लाख) लोगों में से लगभग 4.4 फीसदी लोगों में कोविड-19 पैदा करने वाले पैथोगन के खिलाफ एंटीबॉडी विकसित हुई थीं।

जनपद अध्यक्ष और उनके पति ने बंदूक दिखाकर रोके रेत के डंपर, घंटे भर तक चलता रहा ड्रामा

ग्वालियर। रेत से भरा ट्रक और सामने बोलेरो गाड़ी लगाकर, बंदूक हाथ में लिए हुए जनपद अध्यक्ष के पति...यह कोई फिल्मी सीन नहीं बद्धल्क मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले का वाकया है जहां दबंगई का ऐसा नजारा देखने को मिला. जनपद अध्यक्ष और उनके पति ने बंदूक दिखाकर रोके रेत के डंपर, घंटे भर तक चलता रहा ड्रामा। भितरवार की भाजपा नेता और जनपद अध्यक्ष अनिता रावत और उनके पति मोती रावत ने मंगलवार रात को शहर के मुख्य तिराहे के पास बीच बाजार में गुंडागर्दी करते हुए बंदूक लगाकर रेत लेकर जा रहे चार डंपरों को रोक लिया. डंपर कर्मचारियों के बीच झूमाझटकी भी हुई. मौके पर पहुंचे ठेका कंपनी के कर्मचारी और जनपद अध्यक्ष के पति के बीच एक घंटे तक विवाद होता रहा. बीच सड़क पर बोलेरे गाड़ी अड़ाकर डंपर रोके हुए हाथ में बंदूक लिए, साथ में जनपद अध्यक्ष पत्नी को बार-बार आगे करते हुए आसपास जमा भीड़, यह कोई फिल्मी सेट नहीं था बल्कि हकीकत थी. एक बार कोई बंदूक से छीनाझपटी करता हुआ भी नजर आया. मोती रावत ने बताया कि तीन-चार साल से हम अवैध खनन को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को आवेदन दे रहे थे. हमारी 5-6 पंचायतों में ये सड़कों को नुकसान पहुंचा रहे हैं. ओवर लोड ट्रक और डंपर आते-जाते हैं. रावत ने कहा कि मेरी पत्नी जनपद अध्यक्ष हैं और उसे अधिकार है कि मेरे क्षेत्र में कोई अवैध कारोबार न हो, उसके लिए पुलिस-प्रशासन को कई बार आवेदन दे चुका हूं कि पत्नी का सहयोग करें.

मोहम्मद अजहरुद्दीन की कार ढाबे में घुसी, बाल-बाल बचे

सवाई माधोपुर। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन की गाड़ी ढाबे में घुस गई. इस हादसे में अजहरुद्दीन बाल-बाल बचे हैं. जानकारी के मुताबिक ये हादसा लालसोट कोटा मेगा हाईवे पर सूरवाल थाने के पास हुआ. 57 साल के पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन अपने परिवार के साथ रणथंभौर आ रहे थे, तभी ये हादसा हो गया. इसी दौरान कार कंट्रोल से बाहर हो गई और फूल मोहम्मद चौराहे पर एक ढाबे में घुस गई. ढाबे पर काम कर रहा एक युवक घायल हो गया. घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दुर्घटना के बाद नारायण तिवारी मौके पर पहुंचे. जानकारी के मुताबिक मोहम्मद अजहरुद्दीन परिवार के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए सवाई माधोपुर के रणथंभौर जा रहे थे. अजहरुद्दीन के साथ आ रहे व्यक्ति को हल्की चोट आई. इसके बाद दूसरी गाड़ी से मोहम्मद अजहरुद्दीन को होटल पहुंचाया गया. अजहर ने 99 टेस्ट मैचों में 45.03 की औसत से 6215 रन बनाए और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन है. इसके अलावा 334 वनडे में उन्होंने 36.92 की औसत से 9378 रन बनाए हैं और उनका बेस्ट स्कोर 153 रन रहा है. मोहम्मद अजहरुद्दीन ने साल 1984 में इंटरनेशनल क्रिकेट में दस्तक दी थी. अजहर ने अपना पहला टेस्ट मैच 31 दिसंबर 1984 को इंग्लैंड के खिलाफ खेला. उनकी शानदार बल्लेबाजी स्टाइल के लिए उनको कलाइयों का जादूगर कहा जाता था.

जेडीयू विधायकों के

आरजेडी से संपर्क में होने की बात पर नीतीश कुमार ने तोड़ी चुप्पी

पटना। मंगलवार को एक न्यूज चैनल से बात करते हुए आरजेडी नेता श्याम रजक ने दावा किया था कि जेडीयू के 17 विधायक हमारे संपर्क में हैं और कभी भी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। श्याम रजक के बयान पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है और इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

बुधवार को राजधानी पटना में जलाशय का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जब पत्रकारों ने इस बारे में सवाल पूछा तो उन्होंने इसका खंडन किया और सिरे से खारिज कर दिया। इससे पहले जेडीयू के नेताओं ने भी श्याम रजक के बयान को नकार दिया था और उनके बयान को भ्रामक व गुमराह करने वाला बताया था। मंगलवार को टीवी चैनल से बातचीत में दिए गए बयान के बाद बुधवार को श्याम रजक ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात की। उन्होंने कहा, 17 जेडीयू विधायक आरजेडी के संपर्क में हैं और कभी भी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। हम दल बदल कानून का उल्लंघन नहीं करना चाहते इसलिए उन विधायकों को कह दिया है कि यदि वे 28 की संख्या में आते हैं तो उनका स्वागत है। जल्द ही उनकी संख्या 28 हो जाएगी। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में बीजेपी ने जेडीयू के 7 में से 6 विधायकों को तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिया था। इस घटना पर जेडीयू के नेताओं ने नाराजगी जाहिर की थी। जेडीयू के प्रदेश अध्यक्ष बशिष्ठ नारायण सिंह ने कहा था कि जो कुछ भी हो रहा है, वह ठीक नहीं है। इसके बाद आरजेडी ने एक ऑफर दिया कि नीतीश कुमार को हम पीएम उम्मीदवार बनाएंगे। वे तेजस्वी यादव को बिहार का सीएम बनाएं। बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ आरजेडी नेता उदय नारायण चौधरी ने कहा कि बीजेपी द्वारा किए जा रहे अपमान के बाद अब नीतीश कुमार जी को फैसला लेना चाहिए। बिहार में महागठबंधन के सीएम पद के उम्मीदवार रहे तेजस्वी प्रसाद यादव को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंप दें। बदले में आरजेडी उन्हें विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने को तैयार है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर....

इटावा सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव का गांव गांव किसानों से संवाद जारी

इटावा। आज चकवा खुर्द में रात्रि किसान चौपाल लगाकर किसानों को कृषि विल से जागरूक करते हुए कहा इस विल में जरूरत की चीजो को स्टॉक की सीमा समाप्त कर दी गई है,इससे कालाबाजारी बढ़ेगी और खाद्य पदार्थ महंगे होगे। पहले कोई भी जरूरत मन्द चीजो को अगर कोई स्टॉक करता था तो उस पर काला बजारी का केस हो जाता था लेकिन अब नही होगा चाहे कितना भी स्टॉक कर ले । कांट्रेक्ट फार्मिंग में किसान कम्पनी का बंधुआ मजदूर बन जायेगा ।गोपाल यादव ने कहा जब जब देश की आर्थिक स्थिति खराब हुई हैं कृषि ने आर्थिक स्थिति गिरने नही दी आज भाजपा सरकार किसानों को ही खत्म करने में लगी है .....भाजपा सरकार की हठधर्मी से अब तक दर्जन भर किसान अपनी जान गवां बैठे लेकिन सरकार पर कोई असर नही पड़ा समाजवादी पार्टी किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है गोपाल यादव ने कहा कि जब सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया था बाजरा ,मक्का ,धान की फसलों को सस्ते में किसानों को बेचने को मजबूर होना पड़ा । उन्होंने कहा समजवादी पार्टी की मांग हैं जो सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य सरकार तय कर दे उसी के हिसाब से किसानों की फसल की बिक्री हो फिर चाहे सरकार खरीदे या कोई कम्पनी खरीदे न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे नही बिके फसल । ये सरकार मानने को तैयार नही है क्योंकि उसे सीधा प्रधानमंत्री के दो तीन मित्रो को फायदा पहुचाना हैं इस लिए रूस्कनिर्धारित नही की गई इस विल में । समाजवादी पार्टी किसानों के साथ खड़ी बीते दिनों में भी पार्टी द्वारा किसानों के समर्थन में आंदोलन किये और सरकार का ताना शाह राबिया रहा लाठीचार्ज कर पार्टी के नेताओ को जेल भेजने का काम किया लेकिन समाजवादी पार्टी पीछे हटने वाली नही है समाजवादी पार्टी हमेशा से किसानों की लड़ाई लड़ती आयी है और आगे भी किसानों के लिए संघर्ष करती रहेगी। चौपाल में किसानों ने कहा कि आने वाले समय मे भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करेंगे अगर किसान बोना जानता है तो काटना भी । किसानों ने कहा 2022 में अखिलेश यादव जी की सरकार बनने जा रही हैं ।

कवि कृष्ण कुमार सैनी को मिला कर्मवीर सम्मान

दौसा/कवि कृष्ण कुमार सैनी।

देवनगरी दौसा में दया फाउंडेशन की ओर से कोरोना काल में सेवा कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। जिनमें चिकित्सक , पुलिसकर्मी, सामाजिक संगठन, से जुड़े हुए व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोहर लाल गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद सभापति महोदया ममता चौधरी ने की। दया फाउंडेशन गरीब अनाथ, बेसहारा बालकों की शिक्षा शिक्षा के लिए कार्य करती है तथा उन्हें आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाती है। दया फाउंडेशन की निदेशिका प्रिया मीणा ने बताया कि कवि कृष्ण कुमार सैनी ने कोरोना काल में बेजुबान जानवरों के लिए सेवा कार्य किया, जो काफी सराहनीय कार्य है। जिसके फलस्वरूप उन्हें आज ÷कर्मवीर का सम्मान÷ से सम्मानित किया। सैनी अनेक साहित्यिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। उन्हें पूर्व में भी दर्जनों पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। सैनी को सम्मानित किए जाने पर सभी लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। सर्व समाज ने खुशी जाहिर की है।

मृतक परिवारों के बीच पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की विधायक ने

मोहन मांझी

गोहदविधानसभा के अंतर्गत ग्राम सर्वा तुकेड़ा सेरपुर एंडोरी चंदोखर आदि ग्रामों में मृतक परिवारों के बीच पहुंचकर विधायक मेवाराम जाटव ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया और लोगों के घर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त की इस अवसर पर विधायक मेवाराम जाटव ने कहा कि करंट सड़क दुर्घटना के चलते विभिन्न लोगों की मौत की खबर जब मैंने सुनी तो बहुत दुख हुआ उस समय में भोपाल में विधानसभा शपथ ले रहा था आज आते ही मैंने मृतक परिवारों के बीच पहुंचकर शोक व्यक्त किया और उन्हें शासन द्वारा आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन भी दिया उन्होंने निराश्रित परिवारों के बीच पहुंचकर आर्थिक सहायता स्वयं भी दी साथ ही ग्राम शेरपुर में भगवत कथा का श्रवण पान भी किया इस अवसर पर उनके साथ पूर्व जनपद सदस्य खनेता देवी सिंह तोमर महाराज सिंह तोमर अभिलाख सिंह तोमर टुडे पटेल इमरान खान तिलक सिंह राजोरिया रामहेत जाटव के अलावा लखपत सिंह तोमर सुधीर सिंह जादौन भानु तोमर रिंकू कुमार गब्बर सिंह राजावत इत्यादि विभिन्न ग्रामों में ग्रामीण जन उपस्थित थे।

कवि कृष्ण कुमार सैनी को मिला कर्मवीर सम्मान

राजस्थान/दौसा(अर्पित गुप्ता)

देवनगरी दौसा में दया फाउंडेशन की ओर से कोरोना काल में सेवा कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। जिनमें चिकित्सक , पुलिसकर्मी, सामाजिक संगठन, से जुड़े हुए व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोहर लाल गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर पीयूष सामरिया थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद सभापति महोदया ममता चौधरी ने की। दया फाउंडेशन गरीब अनाथ, बेसहारा बालकों की शिक्षा शिक्षा के लिए कार्य करती है तथा उन्हें आर्थिक सहायता भी उपलब्ध करवाती है। दया फाउंडेशन की निदेशिका प्रिया मीणा ने बताया कि कवि कृष्ण कुमार सैनी ने कोरोना काल में बेजुबान जानवरों के लिए सेवा कार्य किया, जो काफी सराहनीय कार्य है। जिसके फलस्वरूप उन्हें आज कर्मवीर का सम्मान से सम्मानित किया। सैनी अनेक साहित्यिक और सामाजिक संगठनों से जुड़े हुए व्यक्ति हैं। उन्हें पूर्व में भी दर्जनों पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। सैनी को सम्मानित किए जाने पर सभी लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी है सर्व समाज ने खुशी जाहिर की है।

कृष्णा ने लहराया मऊरानीपुर का परचम

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर मऊरानीपुर के होनहार ने फिर नगर का नाम रोशन कर दिया। जिसमें आपको बता दे कि मऊरानीपुर के बच्चें इतने बढे मुकामों को छू रहे है। कि एक के बाद एक अपना नाम रोशन कर रहे है। इसी प्रकार से बेंगलुरु में आयोजित एलिक्सिर वर्ल्ड प्रोडक्शंस हाउस मॉडलिंग हंट 2020 प्रतियोगिता में देश विदेश से आये सैकडों प्रतिभागियों को पीछे छोडते हुये डॉ. एम. एम. शर्मा के बडे पुत्र कृष्ण मोहन शर्मा ने मिस्टर इण्डिया पॉपुलर 2020 का खिताब अपने नाम किया। कृष्णा मूलतः मऊरानीपुर के मुहल्ला गाँधीगंज के निवासी है और वर्तमान में यूरोप के पोलैंड में एक विश्वविख्यात निजी कम्पनी इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। कई चरणों की प्रतियोगिता में सफल होने के बाद कृष्णा यह अवार्ड अपने नाम करने में सक्षम हुये । जो कि उन्हें मशूहर बॉलीवुड अभिनेत्री जोया अफरोज ने प्रदान किया। अपनी सफलता का श्रेय वह अपनी माता श्रीमती स्मृति रेखा शर्मा को देना चाहते है। जिन्होनें समय- समय पर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिया। इस प्रकार के मऊरानीपुर के होनहार की नगर में सराहनीय चर्चा बनी रही।

दुकान से टायर चोरी, मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) संजीव कुमार साहू पुत्र राकेश कुमार साहू निवासी गाँधीगंज ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि अज्ञात चोर के द्वारा उसकी दुकान के बाहर से 10 नग टायर (बस ट्रकों के टायर) चोरी कर ले जाने से है। प्रार्थी ने कोतवाली पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 379 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

अभद्रता के साथ मारपीट का मामला दर्ज

मऊरानीपुर (झाँसी) लडैती पत्नी रंजीत निवासी ग्राम दुर्गापुर ने कोतवाली प्रभारी को दिये प्रार्थना पत्र में बताया कि शिशुपाल पुत्र छोटे , जितेन्द्र पुत्र शिशुपाल, श्याम पत्नी शिशुपाल निवासी स्यावनीखुर्द के द्वारा बिना वजह गाली गलौच करते हुये मारपीट की गयी। जिससे उसे गम्भीर चोटें आ गयी। जिसमें एक्सरे रिपोर्ट में दायें हाथ की हड्डी फैक्चर होना आया। प्रार्थिनी ने कोतवाली पुलिस से कठिन से कठिन कानूनी कार्यवाही करने की माँग की। जिस पर कोतवाली पुलिस ने मामला धारा 323, 504, 325 आईपीसी के तहत पंजीकृत कर लिया।

नगर में जोरदार दिख रही नववर्ष 2021 की तैयारियाँ

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर मऊरानीपुर में नववर्ष 2021 की तैयारियाँ काफी जोरदार देखी जा रही है। जिसमें नगर के विधालयों के साथ, कार्यालयों मे एवं नगरवासी अपने- अपने घरों में भी तैयारियों में लगे हुये है। पूरे नगर में नववर्ष की तैयारियाँ काफी जोडतोड से देखी जा रही है। जिसमे नगर में लोग अपने- अपने घरों को सजाने में लगे हुये है। भिन्न- भिन्न सजावटों के माध्यम से लोग अपने घरों को सजा रहे है। जिससे नववर्ष 2021 उनके लिये शुभ सन्देश लेकर आये। और उनकी पूरी साल सुख एवं शान्ति के साथ व्यतीत हो सके। वही विधालयों में भी साँस्कृतिक कार्यक्रमों के टीचर भी बच्चों की काफी तैयारियाँ जोरदार कराते हुये देखे जा रहे है। नगर में नये वर्ष की तैयारियों जोरमजोर देखी जा रही है। वही मन्दिरों में भी नववर्ष 2021 की तैयारियाँ भी देखी जा रही है। नगर में पर्यटक स्थलों पर भी नववर्ष की तैयारियाँ देखी जा रही है। बाँधों पर भी नववर्ष की तैयारियाँ देखी जा रही है। नववर्ष के लिये बाजारों में भी ग्रीटिंग कार्ड भी बच्चों के द्वारा लेते देखे जा रहे है। कारण कि छोटे नन्हे- मुन्नें बच्चे अपने- अपने दोस्तों को शुभकामनायें देने के लिये ग्रीटिंग कार्ड को भी देते है। और नये वर्ष की शुभकामनायें देते है। वही बडे बच्चे अपने- अपने गुरुओं को उपहार भेंट कर शुभकामनायें देते हुये उनका आशीर्वाद लेते है। तो वही स्टाफके लोग अपने हैड ऑफिसर को बुके एवं मिठाई खिलाकर शुभकामनायें भी देते है। नववर्ष का दिन लोगों को वर्ष का प्रथम दिन होता है जिससे लोग इस दिन से अच्छे कार्यो की शुरुआत कर सके। और अपने वर्ष के दिन सुखी- सुखी निकाल सके। इसीलिये लोग नववर्ष के दिन मन्दिरों एवं तीर्थ स्थलों पर निश्चित ही जाते है। और अपने वर्ष के दिनों के लिये सुख शान्ति की प्रार्थना करते है। इसके बाद पर्यटक स्थलों में मौज मस्ती करते है। जिससे उन्हें वर्ष भर मौज मस्ती के साथ अपने वर्ष के दिनों में कोई भी कष्ट अपने पैर न पसारे। और पूरे वर्ष को खुशी- खुशी निकाले। नगर में दिख रही जोरदार नववर्ष 2021 की तैयारियाँ।

किसान के नारे के साथ गोहद में मशाल आक्रोश जुलूस

किसान विरोधी तीन काले कृषि कानून और संसद के शीतकालीन सत्र रद्द करने के खिलाफ युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष डॉ.राजकुमार देशलहरा द्वारा जय जवान जय किसान के नारे के साथ गोहद में मशाल आक्रोश जुलूस पुराने बस स्टैंड गोहद से शुरू कर नगर के मुख्य मार्गो में होते हुए संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर समापन किया गया डॉ देशलहरा ने बताया कि इस समय अन्नदाता संकट की घड़ी में है और दिल्ली में इतनी कड़कड़ाती ठंड में कृषि कानून के विरोध में सरकार से न्याय की गुहार लगा रहे हैं किसानों की वजह से ही केंद्र में भाजपा सत्ता हासिल करने में सफल रही किसानों को लगभग एक माह से ऊपर हो गया है किसानों की आय को दोगुना करने वाली सरकार उनकी बात को सुनने के लिए तैयार नहीं है उल्टा उनके ऊपर लाठीचार्ज ठंडे पानी की बौछारें कराई जा रही है जबकि बीजेपी के बड़े-बड़े नेता अपने-अपने क्षेत्रों में इन तीन काले कानूनों के फायदे गिना रहे हैं बेहतर यही होता कि सरकार खुद वहां जाकर किसानों को समझाएं जबकि इन कानूनों से किसानों को फायदा ना हो कर भविष्य में नुकसान ही होंगे डॉ. देशलहरा ने कहा कि भाजपा सरकार पहले से ही पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने का काम करती आई है भारतीय युवा कांग्रेस के आह्वान पर आज मसाला आक्रोश जुलूस निकाला गया जिसमें जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस डॉ. राजकुमार देशलहरा ने सरकार से संसद में शीतकालीन सत्र जल्द आमंत्रित करने की मांग की है और जल्द ही इन तीन कृषि काले कानूनों को रद्द किया जाए इस मौके पर जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस डॉ. राजकुमार देशलहरा,पूर्व जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह गुर्जर,विधानसभा अध्यक्ष बंटी गुर्जर, नगर अध्यक्ष विजय मुद्गल,उमेश कान्कर, गोपाल पचौरी अजय मिश्रा पूर्व नगर अध्यक्ष तहसील शाह, बंटी शर्मा,हसमत अली ,रमजानी खान अवधेश प्रजापति,रागिनी चौहान, अमरदीप शर्मा, लोकेंद्र गुर्जर, गजेंद्र राणा, सतीश गुर्जर, मनोहर गौर, राजेंद्र परिहार, आरिफ खान, रिजवान खान, शेरू खान,सुरेंद्र बघेल, हरीश शुक्ला, अवधेश शुक्ला, राहुल उपाध्याय, राजू राठौर उदय सिंह परिहार बबलू बरैया, पिंकी उचाड़िया, बॉबी जर्मन, निशांत बरैया, सभी युवा कांग्रेस के नगर कांग्रेस के पदाधिकारी, ब्लॉक कांग्रेस, किसान कांग्रेस, सोशल मीडिया आईटी सेल विभाग, सेवादल कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई एवं कांग्रेस के अन्य प्रकोष्ठओ के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

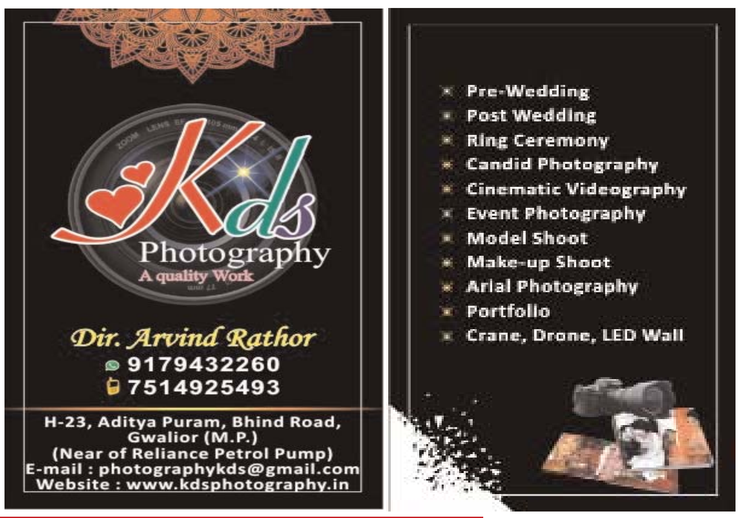

राजनैतिक दल, समाजसेवी व पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

अर्पित गुप्ता बने राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष

भोपाल। मप्र में पत्रकारिता के क्षेत्र में चमकते चेहरे अर्पित गुप्ता जी बने पुष्पांजली जनकल्याण फाउडेंशन के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष।यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता ने बहुत ही कम समय मे पत्रकारिता व समाजसेवा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है जिसके चलते उन्हें लगातार पदोन्नती व नए संस्थानों में जगह मिलती रही है।यहां बता दें कि वर्तमान में अर्पित गुप्ता जी समाचार के क्षेत्र में पुष्पांजली टुडे(दैनिक समाचार पत्र,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,वेब पोर्टल,मासिक पत्रिका)में लगभग 4 वर्ष से अपनी सेवाएं दे रहे हैं सबसे पहले उन्हें पुष्पांजली टुडे में मप्र हैड के रूप में जिम्मेदारी सौंपी गई थी तदोपरांत उनकी लगन को देखते हुए पुष्पांजली टुडे ने उन्हें विगत 2 वर्ष पूर्व बतौर उपसम्पादक के रूप में कमान सौंपी थी और अब उनकी मेहनत व कार्य को देखते हुए उन्हें समाजसेवी संस्थान पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन में एक नई जिम्मेदारी का दायित्व सौंपते हुए राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष मनोनीत किया गया है।साथ ही यहां बता दें कि अर्पित गुप्ता जी ने वर्ष 2014 में मीडिया जगत में कदम रखा था जिस दौरान वह भास्कर न्यूज,दैनिक उदगार,दैनिक इंडिया आज कल,चम्बल की तस्वीर आदि कई संस्थानो में अपनी सेवाएं दे चुके हैं और अभी वर्तमान में वह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में स्वराज एक्सप्रेस व पुष्पांजली टुडे न्यूज़ से जुड़े हुए हैं।पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके कार्य को देखते हुए उन्हें भारत के कई राज्यो में सम्मानित भी किया जा चुका है।राष्ट्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व,शुभचिंतको व मित्रो का आभार व्यक्त किया है उन्होंने कहा कि संगठन ने भरोसा जताते हुए उन्हें इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है जिसे वह बखूबी निभाएंगे और जल्द ही सम्पूर्ण भारत मे पुष्पाजंली टुडे जनकल्याण फाऊंडेशन की टीम की नियुक्ति करेंगे जिससे संगठन को मजबूती मिल सके।इस दौरान उन्हें बधाई देने वालो में महिमा एक्सप्रेस सम्पादक अभिषेक शिवहरे,श्री राम एक्सप्रेस सम्पादक हरीश उपाध्याय,नवनीत एक्सप्रेस सम्पादक महेंद्र तिवारी,संसद मत सम्पादक हेमन्त गुप्ता,रतनगढ़ टाइम्स प्रतीक दुर्बार,वीनस टुडे सम्पादक वरुण गुप्ता,ग्वालियर की शान सम्पादक मृगनेंद्र सिंह,संघर्ष न्यूज़ सम्पादक राजेन्द्र झा,सन्दीप शुक्ला,भिंड रमाशंकर शर्मा,हेमन्त शर्मा आज तक,नवीन शर्मा,गुणाकेश पाराशर,परिनिधेश भारद्वाज,एन के भटेले, अनिल चौधरी,प्रदीप चौधरी,गिर्राज बौहरे,शुभम जैन,विपिन भारद्वाज,आशुतोष राजौरिया, मनीष ऋषिवर,असवार रविकांत त्यागी,गोहद देवेंद्र जैन,ऊमरी राघवेंद्र जी,मिहोना नीरज शर्मा,पंकज शर्मा,पवन शुक्ला,दबोह मोहित गोस्वामी, दिलीप नायक, रविन्द्र शर्मा, कुंजबिहारी कौरव,हरिश्चंद्र पाण्डेय, पंकज शर्मा, राजाभैया पाल, सुधांशु मुदगल,अजय त्रिपाठी,आलमपुर उत्तम चौधरी, उदयराज चौहान,मयंक त्रिपाठी,रोबिन अग्रवाल,अजीज पठान,संजीव चौधरी,लहार राजू त्रिपाठी,मोनू उपाध्याय,नितिंन त्रिपाठी,बिबेक दुबे,विवेक पांडेय,राजू मुडोतिया,संजीव चौधरी,उत्तम चौधरी,देवानंद नायक,रावतपुरा महेन्द्र त्रिपाठी,सेंवढ़ा रहीम मलिक,दतिया संदीप प्रधान,मुरैना पुष्पेंद्र तोमर,अम्बाह केशव पण्डित जी,इंदरगढ़ सुनील खरे, समथर यशपाल सिंह,करैरा संजय गुप्ता बिलैया,शिवपुरी मयंक खत्री,रामस्वरूप रजक,सुनील रजक,गुना चन्द्रप्रकाश मांझी आदि पत्रकार के साथ साथ कई राजनैतिक दल के नेता एवम अर्पित गुप्ता मित्र मंडल शामिल है।

वृद्व ने विषाक्त पदार्थ पिया

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते वृद्व ने विषाक्त पदार्थ पी लिया। प्राप्त विवरण में करीम (78) पुत्र रघुवर निवासी सिजारी को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया ।

फिसलने से व्यक्ति घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) फिसलने से व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त विवरण में रमेश (47) पुत्र बिदर निवासी टोडीफतेहपुर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया ।

साँप ने व्यक्ति को काटा

मऊरानीपुर (झाँसी) साँप ने व्यक्ति को काट लिया। प्राप्त विवरण में लोकेन्द्र (30) पुत्र रामप्रसाद निवासी लखेश्वर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया ।

5.ऊँचाई से मासूम गिरा

मऊरानीपुर (झाँसी) ऊँचाई से मासूम फिसलकर घायल हो गया। प्राप्त विवरण में पायल (1) पुत्री नाथूराम निवासी तरीचर को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया । हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

अम्बाह खॉद के पुरा में लक्ष्मण शक्ति लीला में राम ने किया विलाप भावभीन हुये श्रोताजन...

केशब पडित जी अम्बाह...

अम्बाह... ग्राम खादकापुरा में चल रही ऐतिहासिक रामलीला मेला में आज लक्ष्मण शक्ति लीला का सुंदर मंचन किया गया। हजारों दर्शकों ने लीला का आनंद लिया। निशाचरों के लगातार मारे जाने पर लंकाधिपति रावण चिंतित हो जाता है और वह अपने पुत्र इन्द्रजीत मेघनाद को रणभूमि में जाने के लिए कहता है। मेघनाद अपने पिता से आज्ञा लेकर रणभूमि में पहुंचता है जहां शेषावतार लक्ष्मण से उसका भयंकर युद्ध होता है। मेघनाद ब्रह्मा द्वारा दी गई शक्ति का आह्वान कर उसे प्राप्त करने के बाद शक्ति का प्रहार लक्ष्मण पर करता है, जिससे वह मूर्छित हो समर भूमि में गिर जाते हैं। मेघनाद उनको मृत समझकर उनके शरीर को लंका ले जाना चाहता है किन्तु वह तमाम कोशिशें करने के बावजूद मूर्छित पड़े लक्ष्मण को वह हिला भी नहीं पाता है। वह वही पर छोड़ लंका पहुंच जाता है। लक्ष्मण के मृत्यु का समाचार वह रावण को सुनाता है। यह खबर सुनकर लंकावासी खुशियां मनाते है। इधर लक्ष्मण के मूर्छित होने की खबर मिलते ही राम दल में शोक छा जाता है, परंतु पवन पुत्र हनुमान संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण के प्राण बचा लेते है। राम दल में फिर खुशी की लहर दौड़ जाती है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर....

धार्मिक स्थलों के रजिस्ट्रेशन का अखाड़ा परिषद ने किया विरोध, नरेंद्र गिरी बोले-मठ मंदिर पहले से सुरक्षित

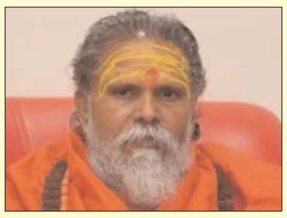

प्रयागराज। साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने योगी सरकार द्वारा लाए जा रहे हैं धार्मिक स्थल रजिस्ट्रेशन एवं रेगुलेशन अध्यादेश 2020 का विरोध किया है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी ने कहा है कि यूपी में सभी मठ और मंदिर सुरक्षित हैं उन्हें किसी तरह का कोई खतरा नहीं है। उन्होंने कहा है कि अगर धार्मिक स्थलों के लिए कोई अध्यादेश लाना बेहद जरूरी है और इसके लिए कोई निदेशालय गठन करना जरूरी है तो इसके पहले संतों की भी राय ली जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी तरीके से साधु-संतों को राज्य सरकार और अधिकारियों के अधीन करना उचित नहीं होगा। महंत नरेंद्र गिरि ने कहा है कि यूपी में पहले ही से धार्मिक स्थलों को लेकर जो व्यवस्था चली आ रही है वह उचित है। महंत नरेंद्र गिरी ने यह भी कहा है कि सूबे के मुखिया सीएम योगी आदित्यनाथ खुद भी एक संत है और गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं इसलिए वे जो भी कदम उठाएंगे सोच समझकर ही उठाएंगे। महंत नरेंद्र गिरि ने कहा है इसके बाद भी सरकार को एक बार साधु संतों की राय अध्यादेश लाने से पहले ले लेनी चाहिए। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि सरकार अगर कानून लाती है तो कोई ऐसा सरल कानून लाए जिससे मठ और मंदिर सरकार के अधीन न हो। इसके साथ ही साथ मठों और मंदिरों का भी सरकार किसी तरह से अधिग्रहण भी न करे। उन्होंने कहा है कि कानून व्यवस्था को लेकर अगर कोई नियम कानून सरकार बनाती है तो उसका मठ और मंदिर पालन करने के लिए जरूर बाध्य होंगे और उसका पालन भी करेंगे।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए आवेदन 31 दिसम्बर तक

भोपाल। एमपी टॉस के पीएमएस माड्यूल वर्ष 2018-19 एवं 2019-20 के अन्तर्गत पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता के अन्तर्गत अभी भी शत-प्रतिशत छात्रों द्वारा आवेदन पत्र प्रेषित नहीं किये गये है। कुछ विभागों द्वारा पूर्ण डेटा अपलोड नही किया गया। वर्ष 2019-20 के लिए 31 दिसंबर अंतिम तिथि नियत की गई है। सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग ने कहा है कि निर्धारित तिथि तक समस्त डेटा अपलोड करें और छात्रों से आवेदन कराना सुनिश्चित करें। यदि छात्रों द्वारा एमपी टॉस पोर्टल में आवेदन नहीं भरा जायेगा तो इसका दायित्व नोडल प्रमुख का होगा। एमपी टॉस के पीएमएस माड्यूल में जिन छात्रों के बैंक खाते एनपीसीआई एक्टिव न होने के कारण छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता की छात्रवृत्ति का भुगतान लंबित है उन छात्रों के बैंक खाते, आधार नंबर, बैंक खाते से लिंक कराकर छात्रवृत्ति का भुगतान कराना सुनिश्चित करें।

ईपीएफ पेंशनर वर्ष में कभी भी जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे

भोपाल। प्रत्येक वर्ष नवंबर एवं दिसंबर माह के दौरान ईपीएफ पेंशनर जीवन प्रमाण पत्र जमा करने हेतु भविष्य निधि कार्यालय आते हैं ताकि पेंशनरों को देय मासिक पेंशन निरंतर प्राप्त होती रहे। कोविड-19 महामारी के वर्तमान परिदृश्य में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन द्वारा सभी पेंशनभोगी सुरक्षा के लिए पेंशनरों को कतारों से बचाने के लिए ईपीएफओ ऑफिस द्वारा एक प्रमुख नीतिगत बदलाव किया गया है। ईपीएफ पेंशनधारी अपनी सुविधा के अनुसार वर्ष के दौरान किसी भी समय डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। जिन पेंशनरों ने जनवरी 2020 के बाद डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया है उन्हें एक साल पूरा होने तक जीवन प्रमाण पत्र करवाने की आवश्यकता नहीं है। जिन पेंशनरों को वर्ष 2020 में जारी किया गया है उन्हें संबंधित माह में अगले वर्ष डिजिटल जीवन प्रमाण प्रस्तुत करना होगा। पेंशनर निकटतम अधिकृत कॉमन सर्विस सेंटर से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनवा सकते हैं जिसके लिए केवल अपना मोबाइल नम्बर, बैंक पासबुक,पेंशन भुगतान आदेश संख्या और आधार नंबर ले जाना होगा। ऐप के माध्यम से अपने मोबाइल पर फिंगरप्रिंट स्केनर जोड़कर जीवन प्रमाण पत्र ऑनलाइन भी जमा कर सकते हैं।

शोकसभा

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री लक्ष्मण दास दमेले ट्रस्ट के अध्यक्ष , समाजसेवी गोपाल दास दमेले की अध्यक्षता में एक शोकसभा सम्पन्न हुयी। जिसमें नगर के वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर श्रीगोपाल पुरवार, भास्कर अग्रवाल, हरिशंकर बडौनिया, कन्हैया लाल मोदी, डॉ. बी. डी. मोदी, ओमप्रकाश अग्रवाल, कृष्ण वल्लभ कठिल, सुधीर जैन, रमेश चन्द्र पाठक, हरिशंकर गुप्ता, मुन्नी लाल बिलैया, ओमप्रकाश मोदी, राधा रमन कठिल, अरुण नगरिया, भगवान दास सेठ, सुरेश चन्द्र चतुर्वेदी, कमलेश गुप्ता, गौतम गुप्ता, रवि रठा, मनमोहन गुप्ता, दयाराम रावत, रमेश चन्द्र पहारिया, रामकुमार मोर, डॉ. राकेश गुप्ता, चौधरी राजेन्द्र प्रसाद लोहिया, मनोज नगरिया, मनीष बिलैया, जागेश्वर अग्रवाल, श्याम मनोहर जडिया, रमेश लोहिया, हरिदयाल साहू, रमेश चन्द्र सोनी आदि लोग उपस्थित रहे। वही पं. दीनदयाल उपाध्याय जनकल्याणकारी समिति की शोकसभा समिति के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र दमेले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। जिसमें श्रीमती गनेशी बाई सोनी विज्ञान महाविधालय के ट्रस्टी एवं सर्राफा व्यवसाई वीरेन्द्र, श्रीराम, महेन्द्र रवीन्द्र सोनी के बडे भाई सर्राफा व्यापारी जिनेन्द्र सोनी के आकस्मिक निधन हो जाने पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान की गयी। इस मौके पर सतीश तिवारी, मनीष कठिल, सौरभ भार्गव, अरविन्द्र अडजडिया, इदरीश खान, अजय सिंह परिहार, डॉ. देवेन्द्र पंडा, रवि रिछारिया, आशीष बिलैया, संजय पहारिया, संजू पाठक, अतुल सेठ, मनीष सेठिया, ओमप्रकाश पोतदार, सुशील सेठ, सिद्वान्त जैन, अशोक वर्मा, पियूष गुप्ता, कैलाश बरसैया, विक्की पहारिया, मिलन रठा, मनीष खरया, पारस मोदी, पंकज पहारिया, दीपू अग्रवाल, रवि सोनी, मनीष कस्टवार, सोहन लाल श्रीवास पार्षद, डॉ. प्रवीण सर्राफ, अवधेश लोहिया, ऋषि दमेले आदि लोग उपस्थित रहे।

यशी ने मारी बाजी,5 जनवरी को भोपाल में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेगी हिस्सा

भोपाल(अर्पित गुप्ता)। राष्ट्र निर्माण एवं नीति निर्धारण में युवाओं की भूमिका सुनिश्चित करने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नेहरू युवा केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल यूथ पार्लियामेंट फेस्टिवल 2020 का आयोजन किया जा रहा है इसी कड़ी मेहनत में ग्वालियर में जिला स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता वर्चुअल माध्यम मे किया गया, जिसमे सातो जिलों के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, राष्ट्रीय युवा संसद जिला स्तरीय कार्यक्रम में शासकीय कमलाराजा महाविद्यालय की छात्रा यशी चंद्रा पुत्री बृतेंद्र - रचना सक्सेना ने प्रथम स्थान प्राप्त कर भोपाल में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु अपनी सहभागिता दर्ज करा दी है। प्रतोगिता मे चयन होने पर सभी अधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया, और अग्रिम शुभकामनाएं प्रदान की।

माफिया अतीक अहमद के गुर्गे आशिक उर्फ मल्ली के अवैध निर्माण पर चली योगी सरकार की जेसीबी

प्रयागराज। प्रयागराज में माफिया और उनके गुर्गों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर चल रही है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) अब तक दर्जन भर से अधिक माफिया और उनके गुर्गों के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है। बुधवार को शहर के हार्डकोर क्रिमिनल आशिक उर्फ मल्ली का नंबर था। वह अहमदाबाद जेल में बंद पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद का खास गुर्गा और शूटर है।

बुधवार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण की जेसीबी आशिक उर्फ मल्ली के धूमनगंज स्थित अवैध निर्माण पर चली। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा। इसके चलते किसी ने भी अवैध निर्माण को ढहाए जाने का विरोध करने का साहस नहीं किया। धूमनगंज का रहने वाला आशिक उर्फ मल्ली हार्ड कोर क्रिमिनल है। वह अतीक अहमद गैंग के लिए काम करता है। कुछ दिन पहले पुलिस ने सिविल लाइंस स्थित एक अपार्टमेंट से घेरेबंदी कर दबोचा था। इसके बाद उसे जेल भेजा गया था। आशिक उर्फ मल्ली का अच्छा खासा क्रिमिनल रिकार्ड है। उसके खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में कई मुकदमें दर्ज हैं। वह पूर्व विधायक राजूपाल हत्याकांड में भी आरोपित है। इसके अलावा उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी के कई मुकदमें दर्ज हैं। बुधवार सुबह पीडीए के अफसर जेसीबी और भारी पुलिस बल के साथ मल्ली के धूमनगंज स्थित घर पहुंचे। इसके बाद अवैध निर्माण को जेसीबी से ढहाने की कार्रवाई शुरू की गई।

बीजेपी विधायक से उदित राज का ट्विटर वॉर

कांग्रेस नेता बोले- मंत्र फूंक दूंगा तो कान का बाल उड़ जाएगा

सोनभद्र। इन दिनों नेताओं और सेलिब्रिटीज के बीच ट्विटर पर झगड़ा आम होता जा रहा है। कंगना रनौत और दिलजीत दोसांझ के बाद अब कांग्रेस प्रवक्ता उदित राज और बीजेपी विधायक भूपेश चौबे के बीच ट्विटर वॉर हो गया। दरअसल हुआ से कि किसान आंदोलन में हिस्सा लेने पहुंचे कांग्रेस नेता उदित राज ने आंदोलन में लंगर परोसने का अपना एक वीडियो ट्विटर पर साझा किया। उन्होंने लिखा गाजीपुर बॉर्डर एक बार फिर आंदोलनरत अन्नदाताओं की सेवा करने का अवसर मिला। उनके इस वीडियो को उत्तर पर्देश के रॉबर्टसगंज के विधायक भूपेश चौबे ने शेयर किया और लिखा कि अन्नदाताओं को भ्रमित करने वालों की सेवा किसी ने नहीं ली। गाजीपुर बार्डर एक बार फिर आंदोलनरत अन्नदाताओं को भ्रमित करने वालो की सेवा करने का मौका मिला मिला पर कोई सेवा लिया नही विडिय अंत बीजेपी विधायक के इस पोस्ट के जवाब में कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा, उन्हें तंत्र मंत्र भी आता है। उदिक राज ने लिखा कि फूंक दुंगा तो कान का बाल उड़ जाएगा। उदित राज के इस

तंत्र मंत्र वाले कमेंट पर यूजर्स उनके मजे लेने से नहीं चूके। एक तांत्रिक की फोटो पर फोटोशॉप करके उदित राज की फोटो लगा दी और उस पर मीम्स बनने लगे। कुछ यूजर्स ने कहा कि इसी तंत्र मंत्र के चलते उन्हें बीजेपी से निकाला गया तो किसी ने कहा कि इस विद्या का इस्तेमाल कर उन्हें कांग्रेस का अध्यक्ष बन जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछली लोक सभा में उदित राज नॉर्थ वेस्ट दिल्ली से भाजपा सांसद थे। 2019 में टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया था। गौरतलब है कि केंद्र सरकार के कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले 34 दिनों से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे किसान कानून वापसी की मांग पर डटे हुए हैं। किसान और सरकार के बीच में आज एक बार फिर बातचीत चल रही है। आज यानी बुधवार को केंद्र और आंदोलन कर रहे किसान संगठनों के बीच ठहरी हुई सातवें दौर की बातचीत हो रही है। हालांकि, प्रदर्शनकारी किसान संगठनों ने कहा कि चर्चा केवल तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने के तौर-तरीकों एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने पर ही होगी। बता दें कि इससे पहले सरकार और किसान संगठनों के बीच छह दौर की वार्ता हो चुकी है और सभी बेनतीजा ही रही हैं।

नगर निगम कार्यकारिणी के उपसभापति का पद बचाने में सफल हुई बीजेपी

महापौर के मत से मिली जीत

वाराणसी। वाराणसी में नगर निगम कार्यकारिणी के उपसभापति का पद बीजेपी ने एक बार फिर अपने पास ही रखने में सफलता हासिल की है। चुनाव में नरसिंह दास ने दोबारा बाजी मार ली है। यह जीत महापौर मृदुला जायसवाल के मत से मिली है। विपक्षी दलों ने भाजपा के नरसिंह दास के सामने निर्दल प्रत्याशी बबलू साहब को मैदान में उतारा था। कांटे की टक्कर में दोनों प्रत्याशियों को 6-6 मत मिले। मामला बराबरी पर पहुंचने से निर्णायक मत महापौर का साबित हुआ। महापौर ने नरसिंह दास के पक्ष में मतदान कर उन्हें उपसभापति बना दिया। जीत के बाद भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई एक दूसरे को बधाइयां देने लगे और मुंह मीठा भी किया गया। नरसिंह दास ने इस जीत को संगठन की ताकत बताया कहा कि एकजुट रहने पर भाजपा को हर चुनाव में जीत मिलेगी। हमारी जीत पार्टी की जीत है। जनसेवा हमारी प्राथमिकता होगी सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास ही हमारा मंत्र होगा। चुनाव को देखते हुए सिगरा स्थित नगर निगम मुख्यालय पर भारी फोर्स तैनात की गई थी। चुनाव स्थल पर जाने के लिए किसी को अनुमति नहीं दी जा रही थी। केवल कार्यकारिणी सदस्य व महापौर ही अंदर प्रवेश कर सके। इस दौरान मीडियाकर्मियों को भी बाहर रखा गया। चुनाव को लेकर तरह-तरह के दावे हो रहे थे लेकिन परिणाम आया तो सारे दावे धरे के धरे रह गए चुनाव को लेकर पार्षदों में सरगर्मी थी। भाजपा समेत सपा कांग्रेसी और निर्दल पार्षद मौके पर डटे रहे।

यूपी में न्यू कोरोना स्ट्रेन का अलर्ट, 10 केस आए सामने

ब्रिटेन से लौटे 565 लोगों का अभी तक नहीं चला पता

लखनऊ। ब्रिटेन में मिले कोरोना के नया स्ट्रेन अब भारत में फैलता जा रहा है। देश में अबतक दो दर्जन के करीब ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें कोरोना के नए स्ट्रेन के लक्षण हैं। इनमें से 10 मामले उत्तर प्रदेश में सामने आए हैं जिसके स्वास्थ्य महकमा हाई अलर्ट पर आ गया है। जिन 10 लोगों में कोरोना के नए स्ट्रेन के लक्षण मिले हैं, उनमें मेरठ में एक, नोएडा में तीन, गाजियाबाद में दो और बरेली का एक व्यक्ति है। दो लोग ऐसे हैं जो यूपी में आए हैं, हालांकि रहने वाले दिल्ली के हैं। सबसे पहले मेरठ में ही एक दो वर्षीय बच्ची में कोरोना का नया स्ट्रेन मिला था, जिसका परिवार यूनाइटेड किंगडम से वापस आया था। इसी के बाद यूपी सरकार ने सभी जिलों को अलर्ट कर दिया था।

स्वास्थ विभाग की ओर से पूरे प्रदेश के लिए विभागीय अधिकारियों व पैरामेडिकल स्टाफों के लिए बकायदा एडवाइजरी भी जारी की गई है जिसमें कहा गया है कि वे बदले स्ट्रेन को लेकर पूरी एहतितात बरतें और अस्पतालों को भी हाई अलर्ट पर रखें। नए स्ट्रेन वाले मरीजों को अलग आइसोलेशन वार्ड में भर्ती करने की व्यवस्था की जाए। यह भी कहा गया है कि विदेश से लौटे लोगों को 28 दिन तक घर में ही रहने को कहें चाहे उनकी आरटी पीसीआर रिपोर्ट नेगेटिव क्यों न आई हो। विदेश से लौटे यात्री घर पर भी मास्क लगाकर रहे। परिवार वालों से कम से कम मिले। साथ ही सर्दी जुखाम, बुखार समेत दूसरे लक्षण नजर आने पर संक्रमित व्यक्ति को तत्काल कोविड कंट्रोल सेंटर भेजा जाए।

565 लापता लोगों ने बढ़ाई धड़कन-ब्रिटेन से उत्तर प्रदेश आए लोगों में से अभी भी 565 लोगों को अब तक नहीं ढूंढ़ा जा सका है। बुधवार को पांच लोगों की पहचान की गई और उनका सैम्पल लेकर जांच के लिए सीएसआईआर दिल्ली भेजा गया। इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने ब्रिटेन से लौटकर आए लोगों का पता लगाने के लिए मंगलवार को कई स्थानों पर पूछताछ की लेकिन उ?न्हें सफलता हासिल नहीं हो सकी कारण बीते 9 दिसम्बर के बाद प्रदेश में आए इन लोगों में से ज्यादातर के मोबाइल या तो स्वीच ऑफ हैं या फिर नॉट रिचैबल लिहाजा इन लोगों से स्वास्थ्य विभाग का सम्पर्क नहीं हो पा रहा है।

कल भदोही को मिलेगा कारपेट एक्सपो मार्ट का तोहफा, सीएम योगी करेंगे लोकार्पण

भदोही। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को कालीन नगरी आएंगे। वे यहां पर जनता को न्यू ईयर गिफ्ट देंगे। यहां बनकर तैयार कारपेट एक्सपो मार्ट का लोकार्पण करेंगे। प्रशासनिक अफसरों को सीएम की अगवानी की तैयारी करने के लिए कह दिया गया है। इसके मद्देनजर मंगलवार को मंडलायुक्त मीरजापुर प्रीति शुक्ला ने मार्ट का निरीक्षण किया है। उन्होंने तैयारी का ब्लू प्रिंट खींचा है। भिखारीपुर में हैलीपैड बनाने के लिये जमीन चिह्नित की है। लोक निर्माण विभाग को यह काम पूरा करना है।

बता दें कि वर्ष 2014 में मार्ट का निर्माण शुरू हुआ था, जो 2019 में पूरा हो गया। फरवरी 2019 में कार्यदायी संस्था ने कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) को हैंडओवर कर दिया है। यहां कालीन

मेले और कई तरह की अंतरराष्ट्रीय कालीन प्रदर्शनी आयोजित करने की योजना है। पुलिस अधीक्षक रामबदन सिंह ने बताया कि सीएम गुरुवार को आएंगे, इसे लेकर विभागीय तैयारी शुरू कर दी गई है। हालांकि अभी प्रोटोकाल नहीं आया है। मार्ट 180 करोड़ रुपये में बना है। इसमें अब गुड्स लिफ्ट और पेयजल सुविधा के लिये अधिक क्षमता वाला पंप लगाने का प्रस्ताव बन रहा है। भदोही के आसपास के जिले कालीन का केंद्र बिंदु बने, इसी मकसद से इसे बनाया गया है। संचालन सीईपीसी कर रही है। हाल ही में उनका कार्यालय भी मार्ट कैंपस में ही शिफ्ट कर दिया गया है। यहां पर 2018 में मुख्यमंत्री योगी आ चुके हैं, यहां वे कई योजनाओं का शिलान्यास किये थे।

अखिलेश बोले- बीजेपी के जमीनी कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि नए कृषि कानून वापस लिए जाएं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को दावा किया कि भारतीय जनता

पार्टी (बीजेपी) के जमीनी कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि केंद्र सरकार नए कृषि कानूनों को वापस ले। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर कहा, बीजेपी सरकार चंद अमीर मित्रों के फायदे के लिए पूरे देश के किसानों को न ठगे और आज की वार्ता के बाद कृषि कानून वापस ले। अखिलेश ने कहा, सच तो ये है कि बीजेपी का जमीनी कार्यकर्ता भी यही चाहता है, क्योंकि वह आम जनता के बीच जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। भारत का राजनीतिक नेतृत्व इतना बंजर कभी न था।

दिल्ली के बॉर्डर पर पिछले एक महीने से अधिक समय से पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य हिस्सों से आए किसान तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार और किसान नेताओं के बीच में कई दौर की बातचीत भी हुई है लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकल पाया है। बुधवार यानी आज एक बार फिर किसान और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत होनी है। भाजपा सरकार चंद अमीर मित्रों के फ़ायदे के लिए पूरे देश के किसान को न ठगे और आज की वार्ता में कृषि क़ानून वापस ले. सच तो ये है कि भाजपा का ज़मीनी कार्यकर्ता भी यही चाहता है क्योंकि वो आम जनता के बीच जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है. 26 नवंबर से धरना दे रहे किसानों की मांग है कि सरकार तीनों नए कृषि कानूनों को वापस ले। उनका कहना है कि इन कानूनों से न्यूनतम सर्थन मूल्य (एमएसपी) पर होने वाली सरकारी खरीद और पंजाब-हरियाणा समते अन्य राज्यों में चल रही मंडी व्यवस्था समाप्त हो जाएगी। हालांकि सरकार ने बार-बार भरोसा दिलाया है कि इन कानूनों से एमएसपी और मंडी सिस्टम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, किन्तु वे और अधिक मजबूत होंगे। वहीं आज की वार्ता से पहले किसान संगठनों ने बिजली सुधार कानून को भी वापस लेने की मांग रखी है।

यूनिवर्सिटी और प्रतियोगी छात्रों का गुट आमने-सामने

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले और इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (इविवि) के छात्र आमने-सामने हो गए। हालांकि, माहौल बिगड़ने से पहले काफी संख्या में फोर्स तैनात कर दी गई। ऐसे में किसी तरह का बवाल नहीं हो सका। पुलिस दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास कर रही है। दरअसल, मम्फोर्डगंज निवासी दुर्गेश कुमार सिंह इलाहाबाद विश्वविद्यालय में विधि तृतीय वर्ष का छात्र है। मंगलवार को वह अपने मित्र संदीप वर्मा के साथ मनमोहन पार्क के पास स्थित एक कोचिंग में भाई के प्रवेश के लिए पहुंचा। दुर्गेश का आरोप है कि उस समय वहां कोचिंग संचालक मारुफ और फारुक अपने कई साथियों के साथ मौजूद थे। वह भाई के प्रवेश के संबंध में बात कर रहा था कि इसी बीच विवाद हो गया। आरोप है कि सभी उसे अपशब्द कहते हुए डंडे से पीटने लगे। उसके मित्र को भी पीटा गया। कोचिंग संचालक ने पिस्टल सटाते हुए धमकी दी। यह भी आरोप लगाया कि प्रवेश के लिए उसके पास मौजूद 6500 रुपये भी छीन लिए गए। पुलिस ने दुर्गेश की तहरीर पर मारुफ, फारुक, आशीष सिंह, जावेद, भानू, शफीक को नामजद करते हुए कई अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। बुधवार को सुबह छात्रों का एक गुट छात्रसंघ भवन और प्रतियोगी छात्रों का गुट कोचिंग के बाहर जुट गया। एक पक्ष कोचिंग बन्द कराने और दूसरा कोचिंग खोले जाने की मांग पर अड़ा था। मामले में अभी पुलिस दोनों गुटों को समझाने का प्रयास कर रही है।

सम्पादकीय

संवाद के निहितार्थ

शुक्रवार को किसानों से संवाद तेज करने की कवायद समाधान की दिशा में उठाया गया सकारात्मक कदम है। प्रधानमंत्री ने सीधे संवाद करते हुए न सिर्फ किसानों को साथ लेने की कोशिश की, बल्कि उन्हें सीधे आर्थिक संबल भी प्रदान किया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 18 हजार करोड़ रुपये का सीधे किसानों के खाते में जमा होना आज के समय में खास सांकेतिक मायने रखता है। अरुणाचल प्रदेश के एक किसान गगन से संवाद के बहाने प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या कंपनी सिर्फ आपकी अदरक ले जाती है या साथ में जमीन भी? जाहिर है, गगन ने जवाब दिया कि नहीं, कंपनी जमीन नहीं ले जाती। इसके बाद प्रधानमंत्री ने यह कहते हुए किसानों को आश्वस्त किया कि किसानों की जमीन कोई नहीं छीनेगा। दरअसल, यह फैले भ्रम या विपक्षी राजनीति को जवाब देने की उनकी कोशिश थी। कोई शक नहीं कि सरकार आंदोलनरत किसानों से संवाद के लिए तो तैयार है, लेकिन कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए तैयार नहीं है। प्रधानमंत्री और अन्य कुछ वरिष्ठ मंत्रियों ने शुक्रवार को जिस तरह से किसानों के साथ संवाद किया है, उससे साफ है, सरकार चिंतित है, उसे राजनीतिक नफा-नुकसान का पता है। एक और बात, किसान क्रेडिट का भी प्रचार किया गया है, जिसके तहत किसानों को चार प्रतिशत की ब्याज दर से ऋण मिल रहा है। एक समय था, जब किसानों को 20-20 प्रतिशत की ब्याज दर से ऋण लेना पड़ता था। ऐसा लगता है, सरकार स्वयं को किसानों का हितैषी साबित करने के लिए अपनी तमाम योजनाओं का फिर प्रचार करना चाहती है, और यह अभियान गलत भी नहीं है। नहीं भूलना चाहिए कि हमारी राजनीति में एक धड़ा ऐसा भी है, जो सरकार को किसानों की दुश्मन बताने की कवायद में लगा हुआ है। वह किसानों के लिए की गई अब तक की व्यवस्थाओं को भुला देना चाहता है, इसलिए किसानों के हित में सरकार की सक्रियता स्वाभाविक है। गृह मंत्री अमित शाह ने भी शुक्रवार को आश्वस्त किया कि एमएसपी की व्यवस्था कभी समाप्त नहीं होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कदम आगे बढ़ाते हुए सुझाव दिया कि नए कृषि कानूनों को एक-दो वर्ष के लिए लागू करके देखा जा सकता है। इस सुझाव पर सरकार अगर वाकई गंभीर है, तो देखना चाहिए कि क्या देश के कुछ राज्यों में यह प्रयोग संभव है? केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने भी किसानों को मनाने की कोशिश की है। लेकिन क्या आंदोलनरत किसान प्रधानमंत्री और मंत्रियों की बातों पर कान देने को तैयार हैं? सिर्फ बातचीत के लिए तैयार दिखना ही पर्याप्त नहीं है, ठोस प्रस्तावों के साथ बैठना महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक आंदोलन किसी के लिए भी ठीक नहीं। जहां सरकार को देश के बाकी किसानों तक पहुंचने का हक है, वहीं उस पर आंदोलनरत किसानों तक पहुंचने की महती जिम्मेदारी भी है। केरल और बिहार के किसानों को पंजाब-हरियाणा के किसानों के साथ एक ही तराजू पर नहीं रखा जा सकता। गरीब राज्यों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 6,000 रुपये का महत्व हो सकता है, पर पंजाब-हरियाणा के किसानों को यह योजना कितनी लुभाती है, यह भी देख लेना चाहिए। सीधे नाराज किसानों के बीच सरकार को जाना होगा, तभी वह आंदोलन को सही तरह से संबोधित कर पाएगी।

सौर ऊर्जा से चमकेगी दुनिया

अभिषेक कुमार सिंह

दुनिया को सौर ऊर्जा का पक्षधर सिर्फ इसलिए नहीं होना चाहिए कि वह धीरे-धीरे सस्ती होती जाएगी, बल्कि इसकी जरूरत इसलिए भी है कि बांध बना कर या ताप बिजली घर लगा कर भी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता है। पांच साल पहले वर्ष 2015 में पेरिस जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में उल्लेखनीय पहल करते हुए भारत ने सूर्यपुत्र सौ देशों का एक सौर गठबंधन बनाने की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य एक ओर सौर ऊर्जा के हिसाब से धनी (जिन देशों में ज्यादा धूप रहती है) एक सौ दो देशों को एक मंच पर लाना और अंतरराष्ट्रीय सौर बाजार को आगे बढ़ाना था, तो दूसरी ओर भारत में भी सौर बिजली उत्पादन में उल्लेखनीय इजाफा करना था। तब कहा गया था कि अगर यह गठजोड़ मुकम्मल रूप में सामने आता है तो दुनिया की काया पलटने के साथ-साथ भारत की तकदीर भी बदल सकता है।

सबसे ज्यादा असर खुद भारत के अंदर ही होने की उम्मीद जताई गई थी, क्योंकि तब इसमें अगले सात वर्षों में (यानी 2022 तक) एक लाख मेगावाट (एक सौ गीगावाट) बिजली भारत में सूरज से बनाने का लक्ष्य रखा गया था। हाल के एक घटनाक्रम को देखें तो कह सकते हैं कि भारत इस दिशा में काफी तेजी से बढ़ रहा है। इसी महीने गुजरात के कच्छ क्षेत्र में बनने वाले दुनिया के सबसे बड़े नवीकरणीय ऊर्जा पार्क (रिन्यूएबल एनर्जी पार्क) की नींव रखी गई। भारत-पाकिस्तान सीमा के पास भुज से बहत्तर किलोमीटर उत्तर की ओर खावड़ा में पूरी तरह से बंजर जमीन पर बनने वाला यह सौर ऊर्जा पार्क बहत्तर हजार से अधिक हेक्टेयर जमीन पर फैला होगा। सौर बिजली बनाने की इन कोशिशों का एक मतलब यह निकलता है कि भारत और ऐसी पहल करने वाले दुनिया के अन्य देश पृथ्वी पर कार्बन उत्सर्जन से होने वाली समस्याओं में कमी लाने की कोशिश कर रहे हैं।

ऊर्जा के लिए सूरज पर निर्भरता की कई वजहें हैं। पहली तो यही है कि ऊर्जा प्राप्त करने के जो दूसरे साधन हैं उनकी या तो भंडार क्षमता बहुत सीमित है या फिर उनके कई खतरे हैं। जैसे ताप बिजली संयंत्रों में तेल अथवा कोयले को जला कर बिजली पैदा की जाती है और ये दोनों ही स्रोत भविष्य में खत्म हो सकते हैं। इसके अलावा इनसे कार्बन डाईआक्साइड आदि ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है जिससे वैश्विक तापमान बढ़ने जैसी समस्याएं उठ खड़ी हुई हैं। इसके बाद पानी से विशालकाय टर्बाइन चला कर जो जलविद्युत परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, उनकी भी अपनी सीमाएं हैं। जरूरत बढ़ने पर उनके लिए बांधों का आकार बढ़ाया जा रहा है, लेकिन भूकंप में उनके ढहने और प्रलय जैसे हालात बन जाने का खतरा हमेशा खड़ा रहता है। साथ ही, इन बड़े बांधों में जमा गाद (तलहटी में जमा मिट्टी और वनस्पति के अंश) से भारी मात्रा में मीथेन गैस निकलती है जो ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाती है।

जहां तक बात है परमाणु बिजली संयंत्रों की, तो इनसे स्वच्छ ऊर्जा तो मिलती है जिसका कोई सीधा पर्यावरणीय प्रभाव पैदा नहीं होता, लेकिन दूसरे खतरे काफी ज्यादा हैं। जैसे, भूकंप, सुनामी या युद्ध की स्थिति में यदि परमाणु संयंत्र को कोई नुकसान पहुंचता है तो उससे होने वाले रिसाव से खतरनाक विकिरण फैल सकता है, जो सभी जीवधारियों के लिए संहारक हो सकता है। इसके अलावा परमाणु संयंत्रों से निकलने वाले रेडियोएक्टिव कचरे के सुरक्षित निपटान की समस्या भी पैदा होती है। ऐसे में नाभिकीय ऊर्जा एक सुरक्षित विकल्प नहीं मानी जाती। वैसे तो जैव ईंधन (बायोफ्यूल), पवन ऊर्जा और भूतापीय ऊर्जा जैसे कुछ और ऊर्जा उत्पादन के विकल्प हैं, लेकिन ये उतने कारगर नहीं साबित हुए हैं जितनी सौर ऊर्जा। सौर बिजली पैदा करने के लिए हमारे देश में राजस्थान और गुजरात में विशालकाय संयंत्र लगाए जा रहे हैं। हालांकि सौर ऊर्जा हासिल करने के लिए जरूरी नहीं कि बड़े प्लांट ही लगाए जाएं। घरों की छतों पर भी छोटे-छोटे प्लांट स्थापित किए जा सकते हैं। बहरहाल, ऊर्जा के सारे स्रोतों की क्षमता और उनके सकारात्मक-नकारात्मक पहलुओं का अध्ययन जिस एक निष्कर्ष पर जाकर ठहरता है, वह यह है कि भविष्य में सूरज ही हमारा कल्याण करेगा। खास तौर से विषुवत रेखा से कर्क रेखा के बीच पड़ने वाले करीब सौ देशों के लिए सौर ऊर्जा एक वरदान ही साबित हो सकती है क्योंकि इन देशों में वर्षा ऋतु को छोड़ कर पूरे साल अच्छी धूप खिली रहती है। ये देश अगर सौर ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा दें तो न सिर्फ ये अपनी काफी सारी ऊर्जा जरूरतें एक अक्षय ऊर्जा स्रोत से पूरी करेंगे, बल्कि दुनिया के कार्बन उत्सर्जन में भी जबर्दस्त कटौती देखने को मिलेगी। पृथ्वी पर सूरज से आने वाली धूप की ताकत का अंदाजा लगाते हुए इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) ने वर्ष 2014 में एक रिपोर्ट पेश की थी, जिसका अनुमान यह है कि सन 2050 तक सौर ऊर्जा से ही सबसे ज्यादा मात्रा में बिजली बनाई जा रही होगी। इस आकलन के मुताबिक सौर ऊर्जा की एक तकनीक सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) सिस्टम से 2050 तक दुनिया की जरूरत की सोलह फीसद बिजली संसार में पैदा की जा रही होगी। इसकी दूसरी तकनीक- सोलर थर्मल इलेक्ट्रिसिटी (एसटीई) से करीब ग्यारह फीसद बिजली अलग मिल रही होगी। इन दोनों सौर तकनीकों से 2050 तक इतनी बिजली मिल सकेगी जिससे लगभग छह अरब टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन हर साल रोका जा सकेगा। यह मात्रा मौजूदा समय में ही पूरे विश्व के परिवहन क्षेत्र द्वारा छोड़ी जा रही कार्बन डाईऑक्साइड के बराबर है। इस समय भारत में सबसे ज्यादा उनसठ फीसद बिजली कोयले से बनाई जाती है। इसे ताप (थर्मल) बिजली कहा जाता है। इसकी वजह यह है कि कोयले से मिलने वाली बिजली सबसे सस्ती पड़ती है। देश में सत्रह फीसद बिजली जलविद्युत परियोजनाओं से, नौ फीसद प्राकृतिक गैस से, तीन फीसद नाभिकीय संयंत्रों से और बारह फीसद अक्षय ऊर्जा स्रोतों यानी हवा या सूरज से पैदा की जाती है। परमाणु संयंत्रों से मिलने वाली बिजली के बारे में भी कहा जाता है कि दूसरे स्रोतों की तुलना में यह भविष्य में काफी सस्ती पड़ेगी। लेकिन जो लोग सौर ऊर्जा के पैरोकार हैं, वे इसके गणित को समझते हुए कहते हैं कि जैसे-जैसे सौर ऊर्जा का विस्तार होगा, उसकी लागत घटती जाएगी और निकट भविष्य में यही ऊर्जा का सबसे सस्ता विकल्प होगा। फिलहाल हमारे देश में उत्पादित होने वाली सौर बिजली की प्रति यूनिट औसत कीमत 6.50 रुपए पड़ती है जो कोयले से मिलने वाली बिजली के मुकाबले औसतन चौदह फीसद ज्यादा है।

भारत में अभी सोलर बिजली इसलिए महंगी है क्योंकि इसके उत्पादन से जुड़ी परियोजनाओं पर काम देरी से शुरू हुआ। जर्मनी में सौर बिजली का उत्पादन वर्ष 2001 में ही शुरू हो गया था और अब वहां छत्तीस हजार मेगावाट बिजली पैदा की जाती है, जबकि भारत में इसकी शुरूआत 2012 में हुई और तब के पच्चीस मेगावाट उत्पादन से हाल तक बढ़ोत्तरी सिर्फ 1760 मेगावाट तक हो पाई है।

दुनिया को सौर ऊर्जा का पक्षधर सिर्फ इसलिए नहीं होना चाहिए कि वह धीरे-धीरे सस्ती होती जाएगी, बल्कि इसकी जरूरत इसलिए भी है कि बांध बना कर या ताप बिजली घर लगा कर भी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा नहीं किया जा सकता है। इसके बरक्स पृथ्वी हर साल लगभग एक लाख बीस हजार टेरावाट (सौर ऊर्जा को नापने वाली एक इकाई) सौर ऊर्जा प्राप्त करती है, जबकि पूरी दुनिया की बिजली की सालाना खपत फिलहाल 15-20 टेरावॉट ही है। अनुमान तो यह भी लगाया जाता है कि इंसान को इस वक्त जितनी बिजली की आवश्यकता पूरे साल सभी कार्यों के लिए है, उतनी सौर ऊर्जा तो एक ही दिन में पृथ्वी पर पहुंच जाती है। जाहिर है, यदि हम सूरज से आने वाली सारी ऊर्जा को समेट सकें तो अपनी जरूरतें ही पूरी नहीं कर सकेंगे, बल्कि पृथ्वी जैसे सैकड़ों ग्रहों को भी जगमग कर सकते हैं।

क्या कहेंगे ऐसे कलमकारों को

जी हां कुछ कलमकार ऐसे भी होते हैं, कि जिन्हें कलमकार कहना एक कलमकार का अपमान करना है। समाज में कलमकार या साहित्यकार या लेखक कहें एक उच्च और आदरणीय स्थान रखते हैं, एक कलमकार इन्सान की सोच को बदल कर रख देता है, कलमकार इन्सान के अंदर एक क्रांति पैदा कर सकता है, सोए हुए अरमान जगा सकता है, इन्सान कि सोच को बदल सकता है, कलमकार चाहे तो तख्त पलट सकता है अपनी लेखनी से, मगर आज के कुछ कलमकार ऐसे हैं कि वो अपनी कलम का हुनर कम और अपनी आशिकी का हुनर ज्यादा दिखाते हैं। आजकल फेसबुक या व्अटस्अप ग्रुप बना दिए जाते हैं ताकि सभी कलमकार एक - दूसरे से परिचित हो सके, और एक-दूसरे की लेखनी को पहचान- परख सके, एक-दूसरे से कुछ ज्ञान अर्जित कर सके। कलमकारों का मेलजोल आपस में इस तरह से बढ़ जाता है, इस तरह से आजकल आनलाइन काव्य गोष्ठियां भी होती है, इन सबसे नए-नए कलमकारों को भी पहचान मिलती है। मगर कुछ कलमकार इस बात का नाजायज फायदा उठाते हैं, प्रोफाइल पर तस्वीर देख कर जो तस्वीर अच्छी लगे उससे दोस्ती बढ़ाते हैं, यहां तक तो ठीक, दोस्ती बढ़ाने के बाद थोड़ा समय लेखन पर चर्चा करते हुए आशिकी झाड़ने लगा जाते हैं, कभी किसी कविता के जरिए तो कभी शेरों-शायरी के जरिए औरतों से बदतमीजी से पेश आने लगते हैं, उनसे घटिया और ग़लत बातें करने लग जाते हैं, औरत क्या करे उसे तो एक ही रास्ता पता है कि इस इन्सान को ब्लाक कर दो बस, और वो वहीं करती है। कोई पूछे उनसे कि आशिकी ही करनी है तो कलम का रास्ता ही क्यूं चुना ? कलम को क्यों बदनाम करते हो, संस्कृति का तो अपमान है ही , साथ में सरासर लेखनी का अपमान है, साहित्यकार अपमान है। क्या कहेंगे आप ऐसे लेखकों को, क्या आप धिक्कारेंगे नहीं ऐसे लेखकों को, लानत नहीं भेजेंगे ऐसे कलमकारों पर? ऐसे कलमकारों को लिखने का हक ही नहीं जो कलम की इज़्ज़त ना करें, लिखने का हक छीन लेना चाहिए ऐसे लोगों से, जिन्हें पता ही नहीं कि कलम की कीमत क्या है, उनके हाथों में कलम शोभा नहीं देती।

मौलिक एवं स्वरचित
प्रेम बजाज, जगाधरी (यमुनानगर)

कविता

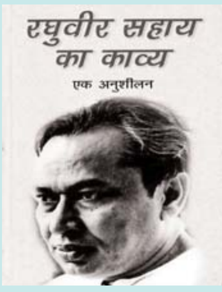

लोकतंत्र वाली कविताएँ
चढी सीढियों पर जब जब ,
मक्कारी वाले जीवन को
आत्महत्या के विरुद्ध तुमने
लोक तंत्र को लिख डाला
हंसा हंसा तुमने जग को ,
पकड़ी विकृतियां नेताओं की
जब भूल गय लोग संस्कृति
आजादी लिख याद दिलाई
जो आदमी हम बना रहे हैं ,
एक समय था, कुछ पते चिठ्ठियां
लिख यथार्थ का अर्थ बताया
भँवरें,लहरे और तरंग लिख
लिखने का कारण बतलाया ,
नये दौर की बातों को
दैनिक नवजीवन सृजन अपनाया।

कवि कुमार प्रिंस रस्तोगी
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

कोरोना सफर -2020

होली के रंगों से सरोवर था जग सारा,
रंग में भंग डाल कर ,
इस कोरोना ने सारी खुशियों के रंग
फीके कर दिए ,ओर ,
सारे त्योहारों पर लगा दिया ग्रहण।
सारा देश , सारे शहर ,
सारे गांव तक सहम गए
इस अदृश्य कोरोना के ख़ौफ से
और बंद हो गए घरों की चारदीवारी में,
अनगिनत लोग फंस गए
अनजाने शहरो में।

स्कूल बंद , सिनेमा बंद ,
पार्क बंद , घर से निकलना बंद,
रिश्तेदारों से मिलना, बंद व्यापार बंद,
पूरा देश बंद,
कोरोना के नाम पर
हो गया सब बंद।
रफ्तार ठहर गई शहरों की
सुनी हो गई सड़कें सारी
अब आई पेट की बारी
बिना रोजगार पेट भी खाली
कारखाने भी चुप
बस ,ट्रेन ,जहाज भी चुप
शहनाईया भी हो गई चुप
खामोशी की चादर ओढ़
सारा शहर हो गया चुप।
स्कूल बंद, सिनेमा बंद,
पार्क बंद, घर से निकलना बंद,
रिश्तेदारों से मिलना बंद,
व्यापार बंद, पूरा देश बंद
करो ना के नाम पर,
सब हो गया बंद।
मगर इस बंद के बीच भी
चमत्कार हो गया,
जो इतने सालों से नहीं हुआ
वह 2020 में हो गया।
कारखानों की जहरीली गैसों से
भारत मुक्त हो गया।
विशालकाय उद्योगों के कचरे से
हर नदी का पानी स्वच्छ हो गया
तेज रफ्तार वायु प्रदूषण से
हर शहर शुद्ध हो गया।
कोरोना ने नेगेटिव पॉजिटिव के
मायने बदल दिए,
इंसानों को इंसानों के बीच
रहना सिखा दिया।।

कमल राठौर साहिल
श्योपुर मध्य प्रदेश

अभिनव साहित्यिक मंच, गोरखपुर द्वारा मंचीय कवि सम्मेलन का आयोजन

जय हिन्दी, जय भारत।

आप सभी साहित्य प्रेमियों को सहर्ष सूचित किया जाता है कि अभिनव साहित्यिक मंच, गोरखपुर के गठन, आंग्ल नव वर्ष तथा माता सावित्रीबाई फुले जी की जयंती के शुभ अवसर पर सर्व धम्म समभाव पर आधारित दिनांक 3 जनवरी, 2021 को तरंग क्रॉसिंग बंधन मैरिज हॉल के सामने, निकट धर्मशाला, गोरखपुर में पूर्वाह्न 11:00 से एक (आफलाइन) मंचीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

कवि सम्मेलन में आमंत्रित स्वर /कवि/ कवियित्री इस प्रकार से हैं...

1. आ. दयानंद त्रिपाठी जी
2. आ. आशुतोष मिश्र जी
3. आ. कुमार विशु जी
4. आ. ओम प्रकाश गौतम जी
5. आ. बुद्धि सागर गौतम जी
6. आ. प्रतिभा पांडेय जी
7. आ. वीरेंद्र यादव जी
8. आ. ममता प्रीति श्रीवास्तव जी
9. आ. अंकुर सच्चर जी

व अन्य।

सम्मेलन में आकर प्रतिभाग करने इच्छुक कवि, लेखक तथा साहित्यकार सम्पर्क करें...
साभार बुद्धि सागर गौतम,
जिलाध्यक्ष, अभिनव साहित्यिक मंच, गोरखपुर इकाई, उत्तर प्रदेश।
ओम प्रकाश गौतम,

तू और तेरे ख्वाब

तुम्ही से ही मेरे चेहरे पर खुशियों की झिलमिल है,
ज्यों चन्द्र- दर्शन पाकर कुमुदिनी की खिलखिल है।
पुष्प ज्यों अविच्छिन्न महक से सुवासित रहता है,
मेरी धड़कनों की स्पंदन में सिर्फ तू ही शामिल है।
समझ लिया है तुम्हे अपने लिए स्वाति नक्षत्र सा,
प्राप्त को मोती समझने बाद भी क्यों ये दर्दे दिल है।
तेरे रंगीन ख्वाबों से जगकर तसव्वुर तेरा ही देखती,
ख्वाब हो या हकीकत क्या गजब की ये हिलमिल है।
उदय से अस्ताचल तक जिसमें मै डूबना चाहती हूँ,
ये वजूद सीमा अरूणिम मुकद्दर की दमकती झील है।

सीमा लोहिया
झुंझुनू(राजस्थान)

नवजागरण का गीत

सकल दुखों को परे हटाकर,अब तो सुख को गढ़ना होगा !
डगर भरी हो काँटों से पर,आगे को नित बढ़ना होगा !!
पीर बढ़ रही,व्यथित हुआ मन,
दर्द नित्य मुस्काता
अपनाता जो सच्चाई को,
वह तो नित दुख पाता
किंचित भी ना शेष कलुषता,शुचिता को अब वरना होगा !
डगर भरी हो काँटों से पर,आगे को नित बढ़ना होगा !!
झूठ,कपट,चालों का मौसम,
अंतर्मन अकुलाता
हुआ आज बेदर्द ज़माना,
अश्रु नयन में आता
जीवन बने सुवासित सबका,पुष्पों-सा अब खिलना होगा !
डगर भरी हो काँटों से पर,आगे को नित बढ़ना होगा !!
कुछ तुम सुधरो,कुछ हम सुधरें,
नव आगत मुस्काए
सब विकार,दुर्गुण मिट जाएं,
अपनापन छा जाए
औरों की पीड़ा हरने को,खुद दीपक बन जलना होगा !
डगर भरी हो काँटों से पर,आगे को नित बढ़ना होगा !!

प्रो.शरद नारायण खरे
प्राचार्य
शासकीय जेएमसी महिला महाविद्यालय

दिल की बस्ती उज़ाड कर वो चल दिए

होता जो कोई दूसरा तब दर्द का गिला भी करते, अपना ही जब छले तो फ़रियाद जाकर कहाँ लिखाऊँ। ढूँढ रही हूँ उस आँखों का नूर जो कभी कर देता था मेरे बज़्म की हर शै रोशन, धुँधला है आज मेरे दिल का शामियाना कैसे सजाऊँ।वो आग की कशिश ढूँढ रही हूँ। बहा ले गई वक्त की बयार उसको मुझसे दूर बहुत दूर तिश्नगी की तपिश को कैसे मिटाऊँ। ना दामन रहा वो थामें जो अश्कों की नमी दर्द की ख़लिश थमती ही नहीं,पल पल भिगोती यादों की बारिश को कोई दवा कैसे पिलाऊँ। क्यूँ आता है कोई वजूद के भीतर हलचल मचाने, इश्क की आँधी बनकर उख़ाड ले जाता है उनकी बेबाक शख्सीयत को अब कैसे भूलाऊँ। जाने वाला चला जाता है छोड़ कर पीछे यादों का लहलहाता दरख़्त, दिल की अंगीठी में जल रहा है वो हल्की चिंगारी बनकर या खुदा उसे कैसे बुझाऊ। ज़िंदगी की रवायत है जी तो रहे है,पर शौक़ किसे है जीने का, हर धड़क पर बहता एक नाम कहो कैसे भूलाऊँ, कहो कैसे भूलाऊँ। होती जो मौत बिकाउ चुटकी में सौदा कर लेते, कोई तो तरीका बता ए ज़िंदगी साँसों की जुम्बिश को कैसे मिटाऊँ।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु) ग्रभावु

जाने कहाँ गये वो दिन

जाने कहाँ गये वो दिन भी ,
कभी हँसकर निकल जाते।
छोटी छोटी बातों में भी ,
खुशियाँ ही खुशियाँ आते।।
माँ के हाथों चूल्हे की रोटी ,
धीमी घी की सुगंध आती।
दौड़कर सभी आते बच्चें।
सबको भूखन लग जाती।।
जाने कहाँ गये वो दिन भी ,
चूल्हे में दूध पकाती ।
मलाई देख हम सारे के,

मुँह से लार टिपक जाती।।
जाने कहाँ गये वो दिन भी ,
लकड़ी की आँचे आती।
बातें करते साथ बैठ कर ,
सारी ठंडी भग जाती।।
बहुत याद आती उस पल की ,
नही मिलता देखने को ।
खो गये अब आँच लकड़ी के,
मिले न हाथ सेंकने को।।

रचनाकार
प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया

ग़ज़ल

आप मेरी सिफारिश किया कीजिए
नाम महफ़िल में मेरा लिया कीजिए।
आप चाहें तो राहों में मिलकर मुझे
ज़ख़्म जितने हैं दिल को दिया कीजिए।
साथ तन्हाइयाँ जो चली आपकी
छुप के ऐसे न आँसू पिया कीजिए।
हमको रुसवाइयों ने किया दर -ब -दर
चाक दामन ये मेरा सिया कीजिए।
जिससे बदनामियाँ साथ मिलकर चले
काम ऐसा न कोई किया कीजिए।

अंजु दास गीतांजलि........
पूर्णियाँ बिहार ।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

परिणीति निभाएंगी अंडरकवर एजेंट की भूमिका

बालीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा अंडरकवर एजेंट की भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म द्वाद गर्ल ऑन द ट्रेन के निर्देशक रिभु दासगुप्ता की अगली फिल्म होगी। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर अब तक कोई खुलासा नही किया गया है। इस फिल्म की कहानी परिणीति के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है जो भारतीय एजेंटों को बचाने के अभियान पर हैं। परिणीति फ़िल्म में जिस मिशन पर जाएंगी, उसका अभी खुलासा नही किया गया है, लेकिन यह साफ तौर पर कहा जा रहा है कि इस बार फिल्म में भारत और पाकिस्तान का मिशन नही पेश किया जाएगा।

रिभु दासगुप्ता की नई फिल्म की शूटिंग मार्च से

फिल्म की टीम से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि, फिल्म की कहानी भारत-पाकिस्तान के बैकग्राउंड पर नहीं बुनी गई है। फिल्म में परिणीति एक ऐसे एजेंट की भूमिका में हैं जो पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व करती है। फिल्म में उस किरदार के पर्सनल लाइफ और बदले को भी दिखाया गया है। मार्च, 2021 में फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बनाई गई है। इस फिल्म के निर्माता अभी से शूटिंग के लिए ऐसे लोकेशन्स की तलाश में जुट गए हैं, जहां कोरोना काल में उन्हें अपनी फिल्म को शूट करने की मंजूरी मिल सके।एक अन्य सूत्र के अनुसार फिल्म में रंजित कपूर, के के मेनन, दिव्येंदु भट्टाचार्य और हार्डी संधू भी नजर आएंगे। परिणीति की रिभु दासगुप्ता के साथ यह दूसरी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ-साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले दोनों 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में साथ काम करने की हामी भर चुके हैं।

कंटेंट जरीना एकता कपूर प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में वैश्विक मीडिया के सबसे महत्वपूर्ण लोगों के रूप में चित्रित हुई हैं

एकता कपूर एक ऐसा नाम है जो डेली सोप के साथ एक मजबूत समानता रखती हैं और अब बालाजी के साथ वह शीर्ष पर भी चल रही हैं। एकता कपूर हाल ही में एक पत्रिका में ग्लोबल मीडिया के सबसे महत्वपूर्ण लोगों के रूप में चित्रित हुई हैं। एकता ने सोशल मीडिया पर इस सम्मान को व्यक्त पाने के बारे में अपने विचार व्यक्त किए, वह साझा करती है, वैराइटी 500 के वार्षिक संस्करण-ग्लोबल मीडिया में सबसे महत्वपूर्ण लोगों के रूप में शामिल होना मेरे लिए पूर्ण सम्मान है। आप सभी दर्शकों और प्रशंसकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।जय बालाजी जय माता दी एकता कपूर ने व्यावहारिक रूप से डेली सोप्स का आविष्कार किया है और अग्रणी होने के नाते वह डिजिटल स्थान के साथ ही आगे भी बनी हुई है। मेंटलहुड, कोड एम, बिच्छू का खेल, मुंबई से कई और अधिक, प्रत्येक शो ने एक बेंचमार्क निर्धारित किया है। बिच्छू का खिलाड़ी और डार्क 7 व्हाइट जैसी सीरिज को विविध सामग्री और वायरल दर्शकों की संख्या के लिए पहचान मिली। कंटेंट जरीना को सलाम करना और यह ठीक ही है, वह इस सब के लायक हैं और इससे भी बहुत अधिक हैं। दर्शकों को प्रेम और द्विअर्थी कहानियों को देने में लगातार बने रहना।

'क्रिमिनल जस्टिस 2' में अनुप्रिया का महत्वपूर्ण रोल

क्रिमिनल डिफेंस लॉयर के किरदार में कर रहीं वापसी

अभिनेत्री अनुप्रिया गोएनका नई वेब सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स' में एक महत्वपूर्ण रोल में हैं। अनुप्रिया का कहना है कि यह सीरीज महिलाओं के मुद्दों की बात करती है। 'बिहाइंड क्लोज्ड डोर्स' सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' दूसरा सीजन है और अनुप्रिया इसमें क्रिमिनल डिफेंस लॉयर निखत हुसैन के किरदार में अपनी वापसी कर रही हैं। उनका कहना है कि सीरीज का यह दूसरा चैप्टर महिला-केंद्रित है। उन्होंने कहा, यह सीजन महिलाओं को लेकर है। किसी भी मामले में मेरे अंदर सहानुभूति की भावना उसी वक्त जाग्रत होती है, जब वह किसी महिला से संबंधित होता है। मैं सोचती हूं कि उस पर ऐसी क्या बीती होगी कि उसने यह कदम उठाया होगा। अनुप्रिया यहां शो के मुख्य किरदार अनु चंद्रा की बात कर रही हैं, जिसे कृति कुल्हरि निभा रही हैं। सीरीज में कृति अपने पति का खून कर देती है, जो पेशे से एक बेहद सफल वकील हैं। इस किरदार का नाम विक्रम चंद्रा है, जिसे जिशु सेनगुप्ता निभा रहे हैं।

शहनाज के लिए माइल्ड स्टोन रहा 2020

पंजाबी अभिनेत्री और गायिका शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर साल के अंत में अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि साल 2020 उनके लिए एक मील का पत्थर रहा है। शहनाज ने ट्वीट किया, 2020 मेरे लिए मील का पत्थर रहा है। पंजाब की युवा लड़की आप सब के प्रेम और सम्मान पाकर इतना आगे आ गई है। इंस्टाग्राम पर मेरा हैशटैग 2 मिलियन को पार कर गया है। आपको धन्यवाद देने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। मैं हमेशा से शेहनाजियंस की फैंन हूं। बता दें कि शहनाज गिल को 'बिग बॉस 13' से काफी फेम मिला है, जिसका समापन 2020 में हुआ। बिग बॉस के घर में शहनाज और शो के विजेता सिद्धार्थ शुक्ला के बीच काफी अच्छा बॉन्ड था। इस जोड़ी को दर्शकों ने भी खूब सराहा था और सोशल मीडिया पर 'हैशटैग सिडनाज' खूब ट्रेंड किया था।

'गुंजन सक्सेना' से खुद को कलाकार के तौर पर जाना: जान्हवी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने बायोपिक 'गुंजन सक्सेनाः द कारगिल गर्ल' में शीर्षक भूमिका को निभाया था। इस किरदार की वजह से वह एक कलाकार के तौर पर खुद को बेहतर ढंग से जान पाई हैं। जान्हवी का कहना है कि इस फिल्म के माध्यम से मैंने एक एक्टर के तौर पर खुद को बेहतर ढंग से जाना है। इसके चलते मुझमें एक अलग तरह का कॉन्फिडेंस आया है या फिर यह शायद मुझ पर गुंजन मैडम की कहानी और उनकी सशक्तता का असर है। मैंने आगे बढ़ने की प्रक्रिया को इन्जॉय करना सीखा है। बता दें कि इस फिल्म को शरण शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया है, जो गुजंन सक्सेना की जिंदगी पर आधारित है।

सारा अली खान ने कहा

हर शुक्रवार को बदलती रहती हैं यहां सितारों की तकदीरें

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान का कहना है कि, मुझे स्टारडम की चाहत नहीं है। अभी तक मैंने फैंस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है, स्टार शब्द का उपयोग नहीं किया है। मैं इन सभी चीजों पर यकीन नहीं रखती हूं क्योंकि हर शुक्रवार को यहां सितारों की तकदीरें बदलती रहती हैं। सारा ने आगे कहा, मेरे ख्याल से एक आपकी नीयत ही ऐसी चीज है, जो मायने रखती है। आपकी जो नीयत होती है वो मैटर करता है और कहीं न कहीं जो आपकी शिद्दत, पैशन और जुनून होता है वो मैटर करता है। इनके अलावा सारी चीजें बदलती रहती हैं और बदलती रहेंगी। अभिनय की बात करें, तो सारा हाल ही में वरुण धवन के साथ फिल्म 'कुली नंबर 1' में नजर आई हैं। इसके अलावा, आने वाले समय में वह अक्षय कुमार और धनुष के साथ आनंद एल. राय की फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आएंगी। बता दें कि सारा अपने महज दो साल लंबे करियर में ग्लैमर की दुनिया की चकाचौंध और प्रशंसकों के प्यार से रूबरू हुई हैं। अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा इंडस्ट्री के तौर-तरीकों से बचपन से ही वाकिफ हैं, हालांकि वह खुद स्टारडम में यकीन नहीं रखती हैं।

रणवीर और महेश बाबू ने की एक-दूसरे की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह और महेश बाबू हाल ही में एक विज्ञापन शूट के लिए एक-दूसरे का सहयोग किया है। इसके बाद रणवीर ने महेश बाबू को अपने साथ काम करने वाले सबसे अच्छे सज्जनों में से एक बताया और तेलुगू अभिनेता ने भी उनकी तारीफ में चार चांद लगा दिए। रणवीर ने इंस्टाग्राम पर सेट से महेश के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। इस तस्वीर में दोनों एक्टर्स को चैट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस शेयर तस्वीर को कैप्शन देते हुए रणवीर ने कहा कि सबसे अच्छे सज्जनों में से एक के साथ मुझे सहयोग करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारी बातचीत हमेशा समृद्ध होती है। बड़े भाई महेश गारू को प्यार और सम्मान। दूसरी तरफ महेश बाबू ने भी रणवीर की तारीफ करने के लिए इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट लिखा। उन्होंने लिखा कि रणवीर भाई आपके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। दोनों की भावनाएं एक जैसी हैं। बता दें कि रणवीर की इस पोस्ट को अब तक 6 लाख से भी अधिक लाइक्स मिल चुके हैं।

'विक्रम वेधा' में नजर आएंगे सैफ और ऋतिक

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन और सैफ अली खान जल्द ही 2017 की तमिल सुपरहिट फिल्म 'विक्रम वेधा' के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक गैंगस्टर का किरदार निभाएंगे, जबकि सैफ पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, पुलिस अधिकारी विक्रम के किरदार में आर माधवन दिखाई दिए हैं। हालांकि, तमिल फिल्म में गैंगस्टर की वेधा की भूमिका विजय सेतुपति ने निभाई है। खबर है कि हिंदी रीमेक में इससे पहले बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान गैंगस्टर वेधा के किरदार के लिए चुने गए थे, लेकिन आमिर ने इसमें काम करने से मना कर दिया है, जिसके बाद ऋतिक को इसमें शामिल किया गया। बता दें कि बॉलीवुड रीमेक को पुष्कर-गायत्री द्वारा निर्देशित किया जाएगा।

अमेरिका में अब सत्ता हस्तांतरण का सघंर्ष: बाइडन ने ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप लगाया है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों की जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा कुछ प्रमुखों सुरक्षा विभागों के हस्तांतरण में बाधा खड़ी की जा रही है। ट्रंप का यह कदम सत्ता हस्तांतरण की दिशा में उनके असहयोगात्मक रवैये को दशार्ता है। खास बात यह है कि बाइडन का यह बयान ऐसे समय आया है जब ट्रंप प्रशासन ने सत्ता हस्तांतरण को मंजूदी दे दी है। बता दें अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार चुके हैं। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन 20 जनवरी को सत्ता ग्रहण करेंगे।

सत्ता हस्तांतरण को लेकर क्या है अमेरिकी परंपरा

दरअसल, अमेरिका में परंपरा यह है कि राष्ट्रपति चुनाव के बाद पराजित राष्ट्रपति नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के सत्ता हस्तांतरण में सहयोग करता है ताकि नए राष्ट्रपति को कार्यभार ग्रहण करने के बाद शासन के संचालन में दिक्कत न हो। इस क्रम में निर्वतमान राष्ट्रपति व्हाइट हाउस की सभी अहम जानकारियों को नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की टीम के साथ साझा करता है। यही वजह है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के तीन महीने बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति विधि विधान से सत्ता ग्रहण करता है, ताकि वह सभी अहम विषय उसके संज्ञान में हो। इस अंतराल में नविनिर्वाचित राष्ट्रपति की टीम को सभी मसलों की जानकारी साझा की जाती है, लेकिन बाइडन ने राष्ट्रपति ट्रंप पर आरोप लगाया है कि वह सुरक्षा से जुड़े मसलों की जानकारी साझा नहीं कर रहे है। यह एक तरह से उस परंपरा का उल्लंघन है, जिसका अब तक सभी राष्ट्रपति निर्वाह करते आए हैं और यह एक जरूरी विधान है। एक परंपरा है।

चीन की चुनौतियों से निपटने के लिए यह जानकारी जरूरी

बाइडन ने कहा कि अगले चार वर्षों तक अमेरिका व चीन के संबंधों के निर्धारण के लिए यह जानकारी काफी उपयोगी होगी। उन्होने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से हमारी टीम और नवनिर्वावित राष्ट्रपति कमला हैरिस को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मसलों की जानकारी नही मिल पा रही है। इसके चलते हमारी टीम को विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा को सेट करने में एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि देश के कूटनीतिक मोर्चे पर नई टीम को रणनीति बनाने के लिए यह जानकारी काफी अहम है।

चीन से निपटने की रणनीति पर दिया ध्यान

अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने अगले चार वर्षों के लिए अमेरिका-चीन संबंधों के लिए अपना फार्मूला तय करते हुए सोमवार को कहा कि वाशिंगटन को बीजिंग का सामना करने के लिए समान विचारधारा वाले देशों के गठबंधन का निर्माण करना जरूरी है। उन्होंने कह कि हम चीन के साथ अपने व्यापार दुर्व्यवहार, प्रौद्योगिकी, मानवाधिकारों और अन्य मोर्चों के लिए चीन की सरकार को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, जब हम समान विचारधारा वाले सहयोगियों और साझा हित और हमारे साझा मूल्यों के गठजोड़ का निर्माण करेंगे तो हमारी स्थिति और मजबूत होगी।

रूस और चीन से निपटने के लिए खुद को ताकतवर बनाना जरूरी

उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के तहत दोनों देशों के बीच झिंजियांग में मानवाधिकार उल्लंघन, हांगकांग की विशेष स्थिति पर अतिक्रमण, बीजिंग द्वारा अनुचित व्यापार प्रथाओं का आरोप, महामारी के संबंध में पारदर्शिता की कमी और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चीन की सैन्य आक्रामकता जैसे मुद्दों पर संबंध खराब हो गए थे। चीन और रूस के खिलाफ सुरक्षा चुनौतियों को पूरा करने के मुद्दे पर बाइडन ने कहा कि अमेरिका को खुद को सबसे मजबूत स्थिति में लाने के लिए सुधार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपनी क्षमताओं के बीच के अंतर को खत्म करने की जरूरत है। इसके अलावा भविष्य में घुसपैठ के इन प्रकारों का बेहतर पता लगाने, बाधित करने और जवाब देने की जरूरत है।

न्यूज. ब्रीफ

कर्नाटक विधान परिषद के उप सभापति की ट्रेन की पटरी पर मिली लाश

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद के उपाध्यक्ष एसएल धमेगौड़ा मंगलवार सुबह कर्नाटक के चिक्कामगलुरु के कदूर के पास एक रेलवे ट्रैक पर मृत पाए गए। शव के साथ एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ। धमेगौड़ा के शव को आगे की जांच के लिए शिमोगा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। आईजीपी वेस्ट ने कहा है, 'मामले की जांच चल रही है। साइट से एक नोट बरामद हुआ है, लेकिन इसमें क्या है, इसका विवरण नही दे सकते।' धमेगौड़ा के सुसाइड पर जद (एस) नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने कहा, 'यह एक राजनीतिक हत्या है जो आज हुई है। उनकी मौत का जिम्मेदार कौन है, इस बारे में जल्द से जल्द सच्चाई सामने आनी चाहिए।' जेडीएस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कहा, 'राज्य विधान परिषद के उपसभापति और जेडीएस नेता एसएल धमेगौड़ा की आत्महत्या की खबरें चौंकाने वाली है। वह एक शांत और सभ्य आदमी थे। यह राज्य का नुकसान है।'

चौधरी बोले- मरियम ने कभी किचन नहीं संभाला, वे देश क्या चलाएंगी

वॉशिंगटन । पाकिस्तान सरकार और विपक्ष में टकराव बढ़ता जा रहा है। अब इमरान खान के मंत्री फवाद चौधरी ने विपक्षी गठबंधन की एक नेता और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पर टिप्पणी की है। चौधरी ने कहा- मरियम ने जिंदगी में कभी अपने घर का किचन नही संभाला। वे देश क्या संभालेंगी। उधर, 11 विपक्षी दलों के गठबंधन के नेता मौलाना फजल-उर-रहमान ने एक बार फिर फौज का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा- मुल्क की बबार्दी के लिए जितने इमरान जिम्मेदार हैं, उतने ही उन्हें वहां तक पहुंचाने वाले। फवाद चौधरी नेकहा- मरियम पूर्व प्रधानमंत्री की बेटी हैं। उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी किचन की जिम्मेदारी नहीं संभाली। अब वे देश चलाने का ख्वाब देख रही हैं। वे तो वैसे भी हमेशा अपने पिता के साथ उनके ही घर में रहीं। यही हाल, अपोजिशन के एक और नेता बिलावल भुट्टो जरदारी का है। उन्होंने भी जिंदगी में कभी एक दिन भी काम नही किया। अब ये दोनों पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहे हैं। अवाम की इससे ज्यादा बेइज्जती और क्या होगी।

चुनिंदा सरकारी भर्तियों के लिए अगले साल से ऑनलाइन होगी सीईटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में चुनिंदा भर्तियों के लिए संयुक्त पात्रता परीक्षा (सीईटी) अगले साल से देशभर में ऑनलाइन होगी। केंद्रीय कार्मिक राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि सरकारी नौकरी पाने के इच्छुक युवाओं के लिए यह परीक्षा एक वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि सीईटी आयोजित करने के लिए केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी से नेशनल रिक्रूटमेंट एजेंसी (एनआरए) गठित की जा चुकी है। यह ग्रुप-बी और सी (गैर-तकनीकी) पदों के लिए अभ्यर्थियों की स्क्रीनिंग और चयन परीक्षा आयोजित करेगी। सिंह ने कहा कि इस सुधार की सबसे बड़ी खासियत यह है कि देश के प्रत्येक जिले में कम से कम एक परीक्षा केंद्र होगा, जो दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले अभ्यर्थियों की पहुंच बढ़ाएगा। इस ऐतिहासिक सुधार का एक अहम उद्देश्य हर अभ्यर्थी को एक समान अवसर प्रदान करना है। मंत्री ने कहा कि इससे महिलाओं और दिव्यांग अभ्यर्थियों के साथ-साथ उन लोगों को भी बहुत लाभ होगा, जो आद्र्थक कारणों से केंद्रों पर नही पहुंच पाने की वजह से परीक्षा में नही बैठ पाते हैं। सिंह ने कहा कि एनआरए द्वारा आयोजित की जाने वाली पहली संयुक्त पात्रता परीक्षा 2021 की दूसरी छमाही के आसपास आयोजित की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि एनआरए एक स्वतंत्र स्वायत्त संगठन होगा, जो कुछ श्रेणियों के वास्ते अभ्यर्थियों के चयन के लिए जिम्मेदार होगा, जिसके लिए भर्ती कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), आरआरबी और इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) के माध्यम से की जाती है।

पाकिस्तान में लॉकडाउन में हुआ सबसे ज्यादा धर्मांतरण

करांची। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर जुल्म और शोषण की इंतहा हो गई है। लॉकडाउन के दौरान सबसे अधिक धर्मांतरण के मामलों से वैश्विक स्तर पर उसकी किरकिरी हुई है। ताजा मामला नेहा का है जिसे गिरजाघर में संगीत की धुन पर स्तुति गान करना पसंद है लेकिन 14 साल की उम्र में जबरन धर्म परिवर्तन कर 45 साल के एक व्यक्ति से निकाह के बाद वह अपने इस शौक को पूरा करने से महरूम हो गई है। जिस शख्स से नेहा का निकाह हुआ है, उसके बच्चों की उम्र भी उससे दोगुनी है। नेहा का पति बाल विवाह और बलात्कार के आरोप में फिलहाल जेल में है। लेकिन वह डर से छिपी हुई है। सुरक्षा अधिकारियों ने अदालत में उसके भाई के पास से पिस्तौल बरामद की थी। उसने बताया, 'मेरा भाई यह बंदूक मुझे गोली मारने के लिए लाया था।' नेहा उन हजारों धार्मिक अल्पसंख्यक लड़कियों में से एक है, जिन्हें हर साल जबरन धर्म परिवर्तन कर इस्लाम धर्म कबूल करवाया जाता है।

राजद ने फेंका नया पासा: नीतीश समर्थन देकर तेजस्वी को सीएम बनाएं

विपक्ष 2024 में पीएम पद के लिए नीतीश कुमार का समर्थन करेगा

पटना ■ एजेंसी

बिहार में भाजपा और जदयू के बीच चल रहे पावर वॉर के बीच राजद ने सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा पासा फेंका गया है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और राजद के वरिष्ठ नेता उदय नारायण चौधरी ने कहा है कि नीतीश अगर तेजस्वी को समर्थन देकर मुख्यमंत्री बना दें तो विपक्ष उन्हें 2024 में प्रधानमंत्री पद के लिए समर्थन दे सकती है। उन्होंने ये बातें रांची में कही हैं।

यह प्रस्ताव देकर राजद ने एक तीर से दो शिकार करने की कोशिश की है। वह नीतीश की अगुआई में भाजपा को केंद्र में रोक पाएगी और बिहार का शासन भी हासिल कर सकती है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पहले ही कह दिया है कि बिहार में मध्यावधि चुनाव होंगे। वहीं, कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा है कि भाजपा की ओर से की जा रही फजीहत के बाद नीतीश कुमार को इस्तीफा दे देना चाहिए। वे पहले निर्णय लेते थे, अब नहीं ले पा रहे हैं। अरुणाचल में जदयू के 6 विधायकों को भाजपा ने खुद में शामिल करा लिया। इसके बाद भी वो कुछ नहीं कर रहे हैं, नीतीश कुमार की अंतरात्मा जागेगी तो खुद ही छोड़ेंगे। उधर छोड़ेंगे तभी इधर से कुछ बात बन सकती है।

वादा पूरा कर भाजपा की बढ़ी लालसा

दूसरी तरफ भाजपा की मांग बढ़ती जा रही है। वह पहले ही विधान परिषद के सभापति का पद और विधानसभा अध्यक्ष का पद ले चुकी है। भाजपा के एक नेता ने गृह विभाग छोड़ने की मांग नीतीश से कर दी है। बिहार विधानसभा के इस बार के चुनाव में भाजपा मजबूत और जदयू कमजोर हुई है। विधानसभा की 243 सीटों में से भाजपा 74 और जदयू 43 जीती है। इसके बावजूद भाजपा ने चुनाव पूर्व किए गए वादे के मुताबिक नीतीश को मुख्यमंत्री पद दिया।

कभी पीएम पद के दावेदार माने जाते थे

एक समय था जब नीतीश को प्रधानमंत्री पद का बड़ा दावेदार माना गया था, लेकिन इस दौड़ में नरेंद्र मोदी ने उन्हें मात दे दी। भाजपा नेता सुशील मोदी ने भी काफी पहले यह बयान दिया था कि नीतीश में पीएम मेटेरियल है। हाल ही में अरुणाचल प्रदेश में भाजपा ने जदयू के छह विधायकों को अपने पाले में कर लिया। इस पर जदयू ने बदले की कार्रवाई करते हुए यह फैसला ले लिया कि वह अन्य राज्यों में अपने बलबूते चुनाव लड़ेगी।

नीतीशने कहा था वह सीएम नहीं बनना चाहते थे

नीतीश ने यह भी कह दिया कि वे नहीं चाहते थे कि मुख्यमंत्री बनें, लेकिन सहयोगी दल के कहने पर उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली। यानी बदले हुए राजनीतिक हालात में मुख्यमंत्री पद पर रहने की उनकी इच्छा अब नही रह गई है। बिहार में कैबिनेट का विस्तार भी अब तक नहीं हुआ है। इस देर का ठीकरा नीतीश भाजपा पर फोड़ चुके हैं।

राजनीतिक दल बनाने की बात से पीछे हटे रजनीकांत, कहा- यह दर्द मैं ही समझ सकता हूं

नई दिल्ली। हाल ही में राजनीति में उतरने का ऐलान करने वाले अभिनेता रजनीकांत ने अब राजनीतिक पार्टी लॉन्च करने की बात से इनकार कर दिया है। एक्टर ने ट्विटर पर तीन पेज का बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी है। रजनीकांत ने कहा कि वह राजनीतिक दल नहीं बनाएंगे। उन्होंने अपने प्रशंसकों से इसके लिए माफी भी मांगी है। उन्होंने कहा कि यह ऐलान करते हुए उन्हें कितना कष्ट हो रहा है, इसे वही महसूस कर सकते हैं। इस महीने की शुरूआत में ही रजनीकांत ने कहा था कि वह 31 दिसंबर को अपनी राजनीतिक पार्टी का गठन करने वाले हैं। रजनीकांत ने लिखा है, 'इस फैसले का ऐलान करने पर जो दर्द हो रहा है, उसे मैं ही समझ सकता हूं।' कहा जा रहा है कि एक्टर ने स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के चलते राजनीतिक पार्टी न बनाने का ऐलान किया है। उनके इस फैसले को तमिलनाडु की राजनीति में नए विकल्प की चाह रखने वाले लोगों के लिए झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

भरूच सीट से सांसद मनसुख वसावा ने पार्टी से इस्तीफा दिया

भरूच ■ एजेंसी

गुजरात की भरूच लोकसभा सीट से भाजपा सांसद रहे मनसुखभाई धनजीभाई वसावा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इस संबंध में उन्होंने गुजरात भाजपा के अध्यक्ष सीआर पाटिल को मंगलवार को पत्र लिखा है। इसमें यह भी लिखा है कि वे जल्द ही संसद की सदस्यता से भी इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने इस साल मई से लेकर दिसंबर तक पीएम और सीएम को पांच शिकायती पत्र लिखे थे। इसके बाद ही वे विवादों में आए।

वसावा ने क्षेत्रीय मुद्दे उठाए

- 3 दिसंबर 2020 को गुजरात के सीएम विजय रूपाणी को लिखे पत्र में उन्होंने कहा था कि राज्य की आदिवासी लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बनाकर उनका शारीरिक शोषण कर उन्हें बेचा जा रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया था उनकी ओर से उठाए गए इस मुद्दे पर उन्हें आदिवासी इलाकों के लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है।
- 20 दिसंबर 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी को भेजे पत्र में लिखा कि भारत के राजपत्र के माध्यम से नर्मदा जिला के 121 गांवों को ईको सेंसेटिव जोन में शामिल किया गया है। जोन घोषित होते ही सरकारी लोगों का किसानों की जमीनों पर दखल बढ़ गया है। इन गांवों के रहवासियों को जानकारी दिए बगैर और उन्हें विश्वास में लिए बगैर इको सेंसिटिव जोन में रख दिया गया। इसे लेकर लोगों में काफी गुस्सा है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से आदिवासी समाज की बहुत उपेक्षा की जा रही है।
- 12 मई 2020 को उन्होंने सीएम विजय रूपाणी को पत्र लिखा था। इसमें लिखा था कि बीटीपी कांग्रेस के नेता विकास के कामों को भ्रष्टाचार के जरिए रोक रहे हैं, जिसकी जल्द से जल्द जांच करवाई जानी चाहिए। इस पत्र के बाद बीटीपी कांग्रेस ने जमकर बवाल मचाया गया था।
- 7 अक्टूबर 2020 को उन्होंने स्थानीय बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। इसके जरिए उन्होंने उद्योगों में स्थानीय लोगों को रोजगार दिए जाने का मुद्दा उठाया था। इस पत्र के बाद उन्होंने बयान दिया था कि पीएम मोदी के आश्वासन के बाद भी स्थानीय लोगों को रोजगार नही मिला।
- 23 मई 2020 को वसावा ने मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को लिखे पत्र में कहा था कि नर्मदा नदी में हो रहे अवैध खनन को लेकर जांच करवाई जाए। पत्र में उन्होंने लिखा था कि नर्मदा घाटी में खनिज विभाग के अधिकारियों, स्थानीय नेताओं और पुलिस की मिलीभगत से अवैध खनन लगातार जारी है। इसके चलते राज्य सरकार को करोड़ों रुपयों का चूना लग रहा है।

सऊदी में महिलाओं को ड्राइविंग का अधिकार दिए जाने के लिए संघर्ष करने वाली महिला कार्यकर्ता को 6 साल की कैद

दुबई ■ एजेंसी

कट्टरपंथी मुस्लिम राष्ट्र सऊदी अरब में औरतों को ड्राइविंग का अधिकार दिए जाने के लिए संघर्ष करने वाली देश की मशहूर महिला अधिकार कार्यकर्ता को लुजैन अल-हथलौल को 6 साल के लिए जेल में डाल दिया गया है। लुजैन को कथित तौर पर आतंकवाद के खिलाफ बनाए गए कानून के तहत सोमवार को करीब छह वर्ष जेल की सजा सुनाई गई। सरकारी मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। सऊदी अरब में महिला अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाली लुजैन अल-हथलौल पिछले करीब ढाई वर्ष से जेल में हैं, जिसकी आलोचना कई दक्षिणपंथी समूह और अमेरिकी सांसदों समेत यूरोपी संघ के सांसद भी कर चुके हैं। अल-हथलौल उन चंद सऊदी महिलाओं में शुमार थीं, जिन्होंने महिलाओं को गाड़ी चलाने की अनुमति देने और 'पुरुष अभिभावक कानून' को हटाने की मांग उठाई थी जोकि महिलाओं के स्वतंत्रतापूर्वक आने-जाने के अधिकारों का अतिक्रमण था।

मार्च तक रिहा हो जाएंगी लुजैन

लुजैन (31) को सजा सुनाते वक्त कोर्ट ने उन्हें एक राहत भी दी। वे 15 मई 2018 से जेल में हैं। लुजैन ने जितना वक्त जेल में गुजारा है, उसे प्रिजन पीरिएड यानी सजा के तौर पर देखा जाएगा। कुल पांच साल आठ महीने की सजा में से यह वक्त निकाला जाएगा। ह्यद गार्डियनह्व की रिपोर्ट के मुताबिक, लुजैन मार्च के आखिर तक रिहा हो जाएंगी। उनकी दो साल 10 महीने की सजा को सस्पेंड भी रखा गया है। इसी वजह से उनकी रिहाई हो सकेगी। हालांकि, रिहाई के साथ दो शर्तें भी होंगी। पहली- वे पांच साल तक किसी दूसरे देश की यात्रा नहीं कर सकेंगी। दूसरी- किसी तरह के विरोध प्रदर्शन या कैम्पेन की हिस्सा नहीं बनेंगी।

बहन ने कहा- वो आतंकी नहीं है

सजा के ऐलान के बाद लुजैन की बहन लीना ने कहा- मेरी बहन एक्टिविस्ट है, टेरेरिस्ट नहीं। उसे सजा देना गलत है। हम इस फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। उसने तो उन अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की, जो हमारे प्रिंस खुद दे रहे हैं। लुजैन को 2014 में भी गिरफ्तार किया गया था। तब सऊदी में महिलाओं को ड्राइविंग राइट्स नहीं थे। तब वे 74 दिन पुलिस कस्टडी में रहीं थीं। अमेरिका और यूएन के दबाव के बाद उन्हें रिहा किया गया था।

अमेरिका की नजर

अमेरिका में जो बाइडेन 20 जनवरी को सत्ता संभालेंगे। मानवाधिकारों को लेकर बाइडेन का रवैया हमेशा से सख्त रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा- लुजैन को सजा दिए जाने से हम चिंतित हैं। उम्मीद है उन्हें जल्द रिहा किया जाएगा। अमेरिका के अगले ठरअ जैक सुलिवान ने कहा- हम रियाद के सामने यह मामला उठाएंगे।

नई सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

मोंटेजिनिरयो में नई सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए लोग।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने औषधीय पौधों के लिए सहायता संघ की शुरूआत की

नई दिल्ली । आयुष मंत्रालय के राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) ने औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला तथा मूल्य श्रृंखला के लिए हितधारकों के बीच संपर्क बनाने की आवश्यकता जताई है। एनएमपीबी सहायता संघ गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री, अनुसंधान और विकास, खेती, औषधीय पौधों के व्यापार / बाजार से संबंधित कार्य करने आदि पर बातचीत / विचार-विमर्श (तक सीमित नहीं) करेगा। किसानों और निमार्ताओं के बीच उत्कृष्ट संबंध स्थापित करने के लिए 'बीज से गोदाम' दृष्टिकोण की शुरूआत की जा रही है, जिसके अंतर्गत गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री (क्यूपीएम), बेहतर कृषि पद्धतियों (जीएपी'एस), फसल कटाई के बाद की उन्नत कार्यप्रणालियों (जीपीएचपी'एस) से संबंधित पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बदलाव 1 जनवरी से 50,000 रुपये से अधिक भुगतान वाले चेक के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम (सकारात्मक भुगतान व्यवस्था) लागू होगा

नए साल से रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई नियम बदलेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नए साल की शुरूआत यानी 1 जनवरी, 2021 से आपकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े कई नियम बदलने वाले हैं। इनमें फास्टैग, जीएसटी, गैस सिलिंडर, इंश्योरेंस, चेक पेमेंट, कॉलिंग, व्हाट्सएप, गाड़ियों की कीमत आदि शामिल हैं। अगर आपने कुछ नियमों को नजरअंदाज किया तो इससे आपको नुकसान भी हो सकता है। हालांकि, कुछ जगह आपको फायदा भी होगा। 1 जनवरी से 50,000 रुपये से अधिक भुगतान वाले चेक के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम (सकारात्मक भुगतान व्यवस्था) लागू होगा। इसके अलावा 1 जनवरी से सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होगा। हालांकि, दिसंबर में 2 बार रसोई गैस की कीमतें बढ़ चुकी हैं, अब ये देखना होगा कि नए साल में तेल कंपनियां सिलेंडर की कीमत बढ़ाती है या नहीं ।

बदल जाएगा जीएसटी रिटर्न जमा करने का तरीका

सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली के तहत छोटे करदाताओं के लिए तिमाही रिटर्न दाखिल करने और करों के मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) की योजना शुरू की है। ऐसे करदाता जिनका पिछले वित्त वर्ष में वार्षिक कारोबार पांच करोड़ रुपये तक रहा है और जिन्होंने अपना अक्टूबर का जीएसटीआर-3बी (बिक्री) रिटर्न 30 नवंबर, 2020 तक जमा कर दिया है, इस योजना के पात्र हैं। जीएसटी परिषद ने पांच अक्तूबर को हुई बैठक में कहा था कि पांच करोड़ रुपये तक के कारोबार वाले पंजीकृत लोगों को एक जनवरी, 2021 से अपना रिटर्न तिमाही आधार पर दखिल करने और करों का भुगतान मासिक आधार पर करने की अनुमति दी जा सकती है।

सिलेंडर की कीमतों में होगा बदलाव

तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतें तय करती है। यानी, 1 जनवरी से सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होगा। हालांकि, इस बार 1 दिसंबर को कीमतें बढ़ाने की जगह तेल कंपनियों ने तीन दिसंबर को दाम बढ़ाए। अब तक दिसंबर में दो बार रसोई गैस की कीमतें बढ़ चुकी हैं। कंपनियों ने इस महीने सिलेंडर की कीमतों में कुल 100 की बढ़ोतरी कर चुकी है। अब ये देखना होगा कि नए साल में तेल कंपनियां सिलेंडर की कीमत बढ़ाती है या नहीं।

अनिवार्य होगा फास्टैग

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक जनवरी 2021 से सभी चार पहिया वाहनों के लिए फास्टैग को अनिवार्य कर दिया है। डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार देश के सभी टोल प्लाजा पर नकद लेन-देन को पूरी तरह से खत्म कर रही है । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एटीएम कार्ड और यूपीआई से कॉन्टैक्टलेस लेनदेन के नियमों बदलाव करने जा रही है। आरबीआई यूपीआई से कॉन्टैक्टलेस लेन-देन की सीमा को 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये करने वाली है और ये सुविधा 1 जनवरी से लागू होगी।

बदल जाएगा चेक से पेमेंट का तरीका

पॉजिटिव पे सिस्टम एक स्वचालित टूल है जो चेक के जरिये धोखाधड़ी करने पर लगाम लगाएगा। इसके तहत, जो व्यक्ति चेक जारी करेगा, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से चेक की तारीख, लाभार्थी का नाम, प्राप्तकर्ता और पेमेंट की रकम के बारे में दोबारा जानकारी देनी होगी। चेक जारी करने वाला व्यक्ति यह जानकरी एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दे सकता है। इसके बाद चेक पेमेंट से पहले इन जानकारियों को क्रॉस-चेक किया जाएगा। अगर इसमें कोई गड़बड़ी पाई जाएगी चेक से भुगतान नहीं किया जाएगा और संबंधित बैंक शखा को इसकी जानकरी दी जाएगी। बैंक 50,000 रुपये और उससे ऊपर के सभी भुगतान के मामले में खाताधारकों के लिए नया नियम लागू करेंगे।

एक जनवरी से कम प्रीमियम पर मिलेगी टर्म प्लान पॉलिसी

नए साल यानी 1 जनवरी से आप कम प्रीमियम में सरल जीवन बीमा (स्टैंडर्ड टर्म प्लान) पॉलिसी खरीद सकेंगे। भारतीय बीमा विनियामक इरडा ने बीमा कंपनियों को आरोग्य संजीवनी नामक स्टैंडर्ड रेग्युलर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान पेश करने के बाद एक स्टैंडर्ड टर्म लाइफ इंश्योरेंस पेश करने का निर्देश दिया था। उसी निर्देश को पालन करते हुए बीमा कंपनियां 1 जनवरी से सरल जीवन बीमा पॉलिसी लॉन्च करने जा रही है। नए बीमा प्लान में कम प्रीमियम में टर्म प्लान खरीदने का विकल्प मिलेगा। साथ ही सभी बीमा कंपनियों के पॉलिसी में शर्तों और कवर की राशि एक समान होगी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीजः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम इंडिया 6 साल से बॉक्सिंग-डे टेस्ट नहीं हारी

भारत मेलबर्न टेस्ट जीता, सीरीज 1-1 से बराबर

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को मेलबर्न में खेले गए बॉक्सिंग-डे टेस्ट में 8 विकेट से शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने 4 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर की। टीम इंडिया पिछले 6 साल से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग-डे टेस्ट में हारी नही है। पिछली बार दिसंबर 2018 को मेलबर्न टेस्ट में ही भारत ने मेजबान को 137 रन से हराया था। जबकि दिसंबर 2014 में इसी मैदान पर बॉक्सिंग-डे टेस्ट ड्रॉ रहा था।

मेलबर्न ■ एजेंसी

मैच में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 195 रन बनाए थे। इसके बाद टीम इंडिया ने पहली पारी में 326 रन बनाते हुए 131 रन की बढ़त ली थी। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में 103.1 ओवर खेलकर 1.94 के रनरेट से 200 रन बनाए और भारत को 70 रन का टारगेट दिया। 1978 के बाद से ऑस्ट्रेलिया की घरेलू मैदान पर 80 से ज्यादा ओवर खेलकर यह अब तक की सबसे धीमी पारी रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने 19 रन पर ही दो विकेट गंवा दिए। ओपनर मयंक अग्रवाल 5 और चेतेश्वर पुजारा 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलियन तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने पारी के चौथे ओवर में मयंक को विकेटकीपर टिम पेन के हाथों कैच आउट कराया। इसके अगले ओवर की पहली ही बॉल पर पैट कमिंस की बॉल पर पुजारा कैमरून ग्रीन के हाथों कैच आउट हुए। टीम इंडिया ने 2 विकेट गंवाकर 70 रन बनाते हुए मैच जीत लिया। कप्तान अजिंक्य रहाणे और ओपनर शुभमन गिल आखिर तक डटे रहे और टीम को जीत दिलाई। शुभमन ने नाबाद 35 और रहाणे ने 27 रन की पारी खेली। भारतीय तेज गेंदबाज बुमराह ने इस मैच में 33 रन देकर कुल 6 विकेट लिए। यह उनका इस ग्राउंड पर अब तक का बेस्ट परफॉर्मेंस है। इससे पहले उन्होंने इस मैदान पर 53 रन देकर 3 विकेट लिए थे। बुमराह ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 7 टेस्ट खेले। इसमें 13.06 की औसत से 15 विकेट लिए। भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव चौथे दिन भी मैदान में नहीं उतरे। वे तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के 8वें ओवर में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए थे।

कोई ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर दूसरी पारी में फिफ्टी नहीं लगा सका

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए कैमरून ग्रीन ने 146 बॉल पर सबसे ज्यादा 45 और ओपनर मैथ्यू वेड ने 137 बॉल पर 40 रन की पारी खेली। इनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 28 और पैट कमिंस ने 22 रन बनाए। भारत के लिए मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। इनके अलावा जसप्रीत बुमराह, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा को 2-2 सफलता मिली। चोटिल उमेश यादव ने एक विकेट लिया।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की खराब शुरूआत

मेजबान ऑस्ट्रेलिया टीम की दूसरी पारी में शुरूआत खराब रही। इसके बाद मैथ्यू वेड और मार्नस लाबुशेन ने 38 रन की पार्टनरशिप कर पारी को संभालने की कोशिश की। टीम के लिए तीसरे दिन यही सबसे बड़ी पार्टनरशिप भी रही। इसके बाद लगातार गिरते विकेट के कारण मिडिल ऑर्डर पूरी तरह ढह गया। ऑस्ट्रेलिया ने मैच के तीसरे दिन 100 रन के अंदर ही 6 विकेट गंवा दिए थे।

अश्विन सबसे ज्यादा लेफ्ट हैंडर बैट्समैन को आउट करने वाले टेस्ट बॉलर

भारतीय स्पिनर अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा 192 लेफ्ट हैंडर बैट्समैन को आउट करने वाले बॉलर बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को पीछे छोड़ दिया। भारतीयों में दूसरे नंबर पर अनिल कुंबले हैं। उन्होंने 167 बाएं हाथ के बल्लेबाजों का शिकार किया।

पहली पारी में बढ़त के साथ भारतीय टीम लगातार दो मैच नहीं हारी

- भारतीय टीम एक सीरीज के लगातार दो टेस्ट कभी नहीं हारी है। जबकि उसने दोनों मैच की पहली पारी में बढ़त बनाई हो।
- मेलबर्न के मैदान पर 100 से ज्यादा रन की बढ़त के साथ पिछली बार 2010 में ऑस्ट्रेलिया टीम इंग्लैड को 89 रन से हराया था।
- टीम इंडिया भी एक बार मेलबर्न में 100+ रन की बढ़त के साथ एक मैच जीत चुकी है। उसने 1980 में 182 रन की बढ़त के साथ ऑस्ट्रेलिया को 59 रन से हराया था।

न्यूज. ब्रीफ

हॉकी कोच इमरान पर बनेगी फिल्म

गोरखपुर। हॉकी कोच मोहम्मद इमरान पर निमार्ता राजेश बेरी एक बायोपिक बनाएंगे। जेश बेरी ने यह घोषणा की। इस बायोपिक में इमरान के हॉकी को लेकर संघर्ष के साथ ही खेल के प्रति उनके जुनून को दिखाया जाएगा। राजेश बेरी ने कहा है कि गोरखपुर जिले में रहकर हॉकी के सैकड़ों खिलाड़ी बनाने वाले इस जुझारू शख्सीयत पर बॉयोपिक बनाना अपने आप में एक उपलब्धि है। वही दूसरी ओर इस फिल्म से उत्साहित मोहम्मद इमरान का मानना है कि इस कदम से हॉकी फिर अपने गौरवशाली अतीत की ओर लौटेगी। बेरी ने कहा कि इमरान ने एक छोटे से शहर से गांव और कस्बों की बेटियों को प्रशिक्षण देकर उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जो काबिलेतारीफ है। ऐसे अनजान हीरो और उसकी कहानी को देश और दुनिया के सामने लाने के लिए फिल्म से बेहतर कोई जरिया नही है। बेरी के अनुसार उन्होंने कहानी पूरी कर स्टार कास्ट पर काम करना शुरू किया था पर देश में अचानक ही कोविड-19 के कारण हालात बदल गये थे। ऐस में अब कहानी भी समय के हिसाब से बदल रही है। कहानी पूरी होते ही स्टार कास्ट पर भी काम शुरू हो जाएगा। मोहम्मद इमरान ने देश को 8 अंतरराष्ट्रीय और 50 राष्ट्रीय स्तर के हॉकी खिलाड़ी दिये हैं जबकि उनके पास जरुरी सुविधाएं तक नही थी।

रुस ने सीएएस के निर्णय को नकारा

मास्को। रूस ने खेल मध्यस्थता अदालत (सीएएस) का रूसी शीर्ष सरकारी अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में शामिल होने से रोकने का निर्णय को खारिज कर दिया है। रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव ने सीएएस के इस निर्णय पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ह्यमुझे लगता है कि खेल कार्यक्रमों में भाग लेने से स्टेट के खेल के शीर्ष अधिकारियों को भाग लेने से प्रतिबंधित करना पूरी तरह से गलत है।' इस महीने की शुरूआत में सीएएस ने दरअसल रूस के शीर्ष सरकारी अधिकारियो पर दो वर्षों तक खेल कार्यक्रमों में भाग लेने से प्रतिबन्ध लगा दिया था जिसे लेकर रूस ने कहा था कि वे इस निर्णय को चुनौती देंगे। सीएएस के इस निर्णय के अनुसार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तथा देश के प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री और अन्य मंत्री ओलपिक समेत अन्य विश्व चैंपियनशिप में दो वर्षों तक शिरकत नहीं कर सकेंगे।पिछले वर्ष वर्ल्ड एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) ने रूस पर डोपिंग के आरोप में चार साल का प्रतिबंध लगा दिया था जिसे हाल में घटाकर दो साल किया गया था।

बार्सिलोना छोड़ सकते हैं लियोनेल मेसी

बार्सिलोना। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के वर्तमान सत्र समाप्त होने तक बार्सिलोना के साथ बने रहने पर संशय है। इस दिग्गज फुटबॉलर के एक दिन अमेरिका में खेलने की संभावना भी व्यक्त की जा रही है। मेसी ने बार्सिलोना के साथ अपने भविष्य के बारे में कहा, ह्यमैं सत्र के आखिर तक इंतजार करूंगा। अभी मैं किसी अन्य चीज की बजाय खिताब जीतने पर ध्यान दे रहा हूं।' यह 33 वर्षीय फुटबॉलर का बार्सिलोना के साथ अनुबंध जून 2021 में समाप्त हो जाएगा और जनवरी से वह अन्य क्लबों के साथ बातचीत करने के लिये आजाद होंगे। मेसी कहा, ह्यमुझे शुरू से लगता रहा है कि मैं एक दिन अमेरिका में खेलने का अनुभव लेना चाहूंगा लेकिन अभी यह समय इसके लिये नही है।

सेबी समन-नोटिस सर्व कराने के लिए बना रही स्वतंत्र एजेंसी रखने की योजना

नई दिल्ली। पूंजी बाजार की शीर्ष नियामक संस्था सेबी एक स्वतंत्र एजेंसी को अपने साथ जोड़ने पर विचार कर रही है, जिसका काम उन कंपनियों या इकाइयों का पता लगाना होगा, जिन्हें सेबी अधिकारियों द्वारा नोटिस जारी किया जा चुका है और उन तक समन पहुंचाना होगा। यह काम भूर्तपूर्व सैनिकों, पूर्व पुलिसकर्मियों, जांचकताओं, जासूसों जैसे सक्षम लोगों के माध्यम से किए जाने की उम्मीद है। सोमवार को जारी एक नोटिस में, नियामक ने इस तरह की सेवाओं के लिए एक एजेंसी को जोड़ने के लिए आवेदन आमत्रित किए है। इस एजेसी का काम सेबी द्वारा दिए गए पते और रिकॉर्ड के आधार पर आरोपी इकाई का पता लगाना होगा। साथ ही सेबी अदालत और सेबी के अधिकारियों द्वारा जारी नोटिस और समन को नियामक की ओर से इकाई तक पहुंचाना होगा। इसके अलावा, एजेंसी पूरे भारत में अभियुक्तों के ठिकाने का पता लगाने के लिए यात्रा करेगी। इसमें फरार आरोपी भी शामिल हैं।

क्रेडिट सुइस के पीएफएल में हिस्सेदारी बेचने पर रिलायंस कैपिटल ने दर्ज कराई आपत्ति

नई दिल्ली। ऋण के बोझ तले दबी रिलायंस कैपिटल ने प्राइम फोकस लि. (पीएफएल) में क्रेडिट सुइस द्वारा 33.12 प्रतिशत हिस्सेदारी पीएफएल के प्रवर्तक समूह को 44.15 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे जाने के प्रस्ताव को लेकर आपत्ति दर्ज कराई है। अनिल अंबानी के रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस कैपिटल ने एक बयान में आरकैप समूह के साथ कुछ ऋण समझौतों के तहत प्रस्तावित सौदे को क्रेडिट सुइस द्वारा कथित अधिकार का स्पष्ट रूप से उल्लंघन बताया। हालांकि, रिलायंस कैपिटल ने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया कि यह कथित अधिकारों का दुरूपयोग किस प्रकार है। आरकैप समूह की कंपनी रिलायंस मीडियावर्क्स फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लि. पीएफएल के निवेशकों में से एक है।

श्रीलंकाई क्रिकेटर धनंजय चोट के चलते टेस्ट सीरीज से बाहर

सेंचुरियन ■ एजेंसी

श्रीलंकाई मध्य क्रम के बल्लेबाज धनंजय डिसिल्वा घायल होने के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। दोनो ही टीमों के बीच दूसरा टेस्ट मैच अगले साल की शुरूआत में तीन जनवरी से जोहानिसबर्ग में शुरू होगा।डिसिल्वा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के पहले दिन शनिवार को 79 रन बनाकर घायल हुए थे। वह जांघ की चोट के कारण लगभग दो सप्ताह के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। डिसिल्वा के बाहर हो जाने से श्रीलंका को शेष टेस्ट मैचों में अब उनकी कमी खलेगे।

डिकवेला को मैच में मधुमक्खी ने डंक मारा

दक्षिण अफ्रीका के साथ यहां जारी पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में श्रीलंकाई खिलाड़ी निरोशन डिकवेला को एक मधुमक्खी ने डंक मार दिया जिस कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा है। इसके अलावा पहले टेस्ट मैच श्रीलंका के चार खिलाड़ी घायल हो गए और उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा। दरअसल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रीलंका की टीम के चार खिलाड़ी चोटिल हो गए और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। श्रीलंकाई बल्लेबाज धनंजय डीसिल्वा बल्लेबाजी के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर हो गये। वहीं गेंदबाज कसून रजिथा और वनिंदू हसरंगा भी चोटिल होने के कारण बाहर हो गए।

बदकिस्मती से भरोसेमंद बल्लेबाज डिकवेला को मधुमक्खी ने डंक मार दिया और उन्हें भी मैदान से बाहर जाना पड़ा जो टीम के लिए एक करारा झटका रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में चार श्रीलंकाई खिलाड़ी चोटिल हुए हैं। इससे पहले साल 1976 में वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ भी पांच खिलाड़ी चोटिल हुए थे और केवल पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक टीम की पारी छह या उससे कम विकेट गिरने के बाद भी ऑल-आउट घोषित की गई थी। इस मैच में श्रीलंका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 396 रन बनाए और टीम के तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं इससे पहले क्षिण अफ्रीका की टीम ने डुप्लेसिस की शतकीय पारी की सहायता से 600 से अधिक रन बनाकर श्रीलंका पर बड़ी बढ़त हासिल की है।

आज टीम से जुड़ेंगे रोहित तीसरे टेस्ट मैच में शायद ही मिले अवसर

मेलबर्न। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के तीसरे टेस्ट में खेलने पर संशय लग रहा है। रोहित पृथकवास पूरा कर बुधवार को टीम से जुड़ेंगे। वहीं दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की जीत से उत्साहित शास्त्री ने कहा कि तीसरे टेस्ट में भी भारतीय टीम पांच गेंदबाजों के साथ ही उतरेगी। कोच ने कहा है कि हम 5 गेंदबाजों की रणनीति पर टिके रहेंगे। वहीं रोहित कल टीम के साथ जुड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से रोहित पृथकवास के दौर से गुजर गुजार रहे थे। रोहित अभी तक सिडनी में क्वारंटीन का समय गुजार रहे थे। बुधवार को उनको मेलबर्न में टीम के साथ जुड़ना था। शास्त्री की बातों से संकेत मिल रहे हैं कि तीसरे टेस्ट मैच में रोहित को शायद ही अवसर मिल। एडिलेड टेस्ट में करारी हार के बाद रोहित को तत्काल टीम में शामिल करने की बात उठी थी पर अब हालात बदल गये हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी कहा था कि टीम इंडिया को रोहित को जल्द से जल्द टीम में शामिल करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शतक बनाने के साथ अच्छी कप्तानी के लिये भी रहाणे की तारीफ की जा रही है।

अल्पाइन स्की

ऑस्ट्रिया में अल्पाइन स्की मुकाबले में खेलती स्विटजरलैंड की मिशैली गिसिन।

एक रन से दोहरा शतक नहीं बना पाने वाले 13 बल्लेबाज हैं प्लेसिस

सेंचुरियन ■ एजेंसी

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस एक रन से दोहरा शतक नहीं बना पाने वाले विश्व के 13 वें खिलाड़ी बन गये हैं। श्रीलंका के खिलाफ सेंचुरियन के मैदान पर डु प्लेसिस 199 रनों पर आउट हो गये हालांकि उनकी इस मैच में खेली गयी पारी की बदौलत ही टीम को अच्छी खासी बढ़त भी मिल गयी थी। इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने पहले खेलते हुए चंडीमल के 85, धनंजय डि सिल्वा के 79 रनों से 396 रन बनाए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए मेजबान दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 621 रन बना दिए इसमें ज्यादा डु प्लेसिस ने 199 रन बनाए। वह एक रन से दोहरा शतक नहीं बना पाने वाले 13वें बल्लेबाज हैं।

एक रन से दोहरा शतक चकने वाले बल्लेबाज हैं

मुद्दसर नजर, पाकिस्तान बनाम भारत, 24 अक्तूबर 1984
मोहम्मद अजहरुद्दीन, भारत बनाम श्रीलंका, 17 दिसंबर 1986
मैथ्यू इलियट, ऑस्ट्रेलिया बनाम इंगलैंड, 24 जुलाई 1997
सनथ जयसूर्या, श्रीलंका बनाम इंडिया, 9 अगस्त 1997
स्टीव वॉ, ऑस्ट्रेलिया बनाम वैस्टइंडीज, 26 मार्च 1999
एंडी फ्लावर, जिमबाब्वे बनाम दक्षिण अफ्रीका, 7 तिसंबर 2011
यूनिस खान पाकिस्तान बनाम इंडिया, 13 जनवरी 2006
इयान बेल इंगलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, 10 जुलाई 2008
कुमार संगाकारा श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, 22 जुलाई 2012
स्टीव स्मिथ ऑस्ट्रेलिया बनाम विंडीज, 11 जून 2015
केएल राहुल इंडिया बनाम इंगलैंड, 16 दिसंबर 2016
डीन एल्गर साऊथ अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, 28 तिसंबर 2017
फाफ डु प्लेसिस दक्षिण अफ्रीका बनाम श्रीलंका, 28 दिसंबर 2020

इस साल शेयर निर्गमों से सबसे ज्यादा पूंजी जुटाई गई, 116 फीसदी बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए पर पहुंची

मुंबई ■ एजेंसी

घातक वायरस कोरोना से देश का आर्थिक तंत्र बुरी तरह प्रभावित होने के बाद भी प्राथमिक और द्वितीयक पूंजी बाजार को अप्रभावित रहा। इस साल में अब तक शेयर निर्गमों से सबसे ज्यादा पूंजी जुटाई गई। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम, बिक्री पेशकश (ओएफएस) और अन्य निर्गमों से जुटाई गई पूंजी वर्ष के दौरान 116 प्रतिशत बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपये रही। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया के मुताबिक, पूरे 2020 में महामारी की छाया बने रहने के बावजूद, सार्वजनिक शेयर बाजारों के जरिये 1,77,468 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाई गई, जो कि अब तक उच्च स्तर है। साल 2019 के 82,241 करोड़ रुपये के मुकाबले यह 116 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले, 2017 में सबसे ज्यादा 1,60,032 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। उन्होंने कहा कि आईपीओ में मजबूत खुदरा भागीदारी, सूचीबद्धता से भारी लाभ और पात्र संस्थागत नियोजनों (क्यूआईपी) एवं इनविट/राइट से जुटाई गई अब तक सबसे ऊंची राशि इस साल प्रमुख रहे। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईपीओ से 26,770 करोड़ रुपये जुटाये गये, जो कि 2019 की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है, इसके बाद एफपीओ से 15,024 करोड़, ओएसएस (शेयरों की बिक्री पेशकश) से 21,458 करोड़ रुपये और क्यूआईपी/इनविट/राइट से 84,501 करोड़ रुपये जुटाये गये।

नए साल में भारतीय बाजार में प्रवेश करेगी टेस्ला: गडकरी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भारत में आने की तैयारी में है। ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि कंपनी अगले साल भारत में ऑपरेशन शुरू करेगी। गौरतलब है कि टेस्ला की भारत में आने की बात पिछले कई सालों से चल रही है। दिग्गज इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी के फाउंडर और सीईओ एलन मस्क भी कई बार कह चुके हैं और इस साल की शुरूआत में भी उन्होंने यह बात फिर से कही थी। टेस्ला नए साल 2021 के जनवरी तक आधिकारिक रूप से भारतीय बाजार में एंट्री करने की तैयारी में है। गडकरी ने कहा कि कंपनी पहले भारत में अपनी बनी कारों की बिक्री से शुरूआत करेगी। इसके बाद कारों को मिलने वाले रिपॉन्स के आधार पर कारों की असेंबली और उत्पादन कर सकती है। बता दें कि इस साल अक्तूबर में एलन मस्क ने ट्वीट कर जानकादी दी थी कि टेस्ला 2021 में भारतीय बाजार में आएगी। टेस्ला ने देश में एक आरएंडडी सेंटर और बैटरी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट खोलने की भी योजना बनाई है।

अलीबाबा ग्रुप के खिलाफ एकाधिकार रोधी जांच शुरू करने की घोषणा

बीजिंग ■ एजेंसी

चीन की सरकार जैक मा के कारोबारी साम्राज्य पर शिकंजा कसने के मूड में है। सरकार का शिकंजा टेक्नोलॉजी और इंटरनेट कंपनियों पर कसता ही जा रहा है। इस वजह से अलीबाबा ग्रुप के मालिक जैक मा सहित कई टेक कंपनियां बुरे दौर से गुजर रही हैं। चीन के मार्केट रेगुलेटर ने ई-कॉमर्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अलीबाबा ग्रुप के खिलाफ एकाधिकार-रोधी जांच शुरू करने की घोषणा की है। इसका असर अब अलीबाबा के साथ दूसरी टेक कंपनियों पर भी पड़ने लगा है।

टेक कंपनियों को लगता है कि एंटीट्रस्ट जांच की आंच उन तक भी पहुंच सकती है। इस वजह से चीनी टेक कंपनियों को दो कारोबारी सत्रों में करीब 15 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। एंटीट्रस्ट लॉ के डर के कारण लगातार दूसरे दिन निवेशकों ने अलीबाबा के साथ उसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी टेनसेंट होल्डिंग्स लि., फूड डिलिवरी कंपनी

(मिटीयन) और जेडीडॉटकॉम डॉटइन के स्टॉक्स की जमकर बिकवाली की। इस वजह से सोमवार को अलीबाबा के स्टॉक्स में 8फीसदी की गिरावट आई। अक्टूबर से लेकर अब तक चीनी रेगुलेटर्स के शिकंजे की वजह से कंपनी को 270 बिलियन डॉलर यानी करीब 20 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। वहीं, टेनसेंट और मिटीयन दोनों कंपनियों के शेयर में आज 6 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है।

ढलती उम्र — जैसे -जैसे अंबानी अपनी 179 अरब डॉलर वाली कंपनी को आगे बढ़ाना चाहते हैं, निवेशक उनके हर कदम देख और परख रहे हैं

परिवार के उत्तराधिकारी की योजनाः 27 अरब डॉलर जुटाने वाले अंबानी पर अब उम्मीदों पर खरा उतरने का भी दबाव

नई दिल्ली। साल 2020 में मुकेश अंबानी का ज्यादातर समय फेसबुक इंक, गूगल और वॉल स्ट्रीट दिग्गजों के मनुहार में ही बीत गया। इसमें वह इन कंपनियों से दुनिया के सबसे बड़े कॉरपोरेट ट्रांसफॉर्मेशन जियो टेक में हिस्सेदार बनने को कहते आ रहे थे। अब जबकि उनके पास 27 अरब डॉलर की रकम आ गई है तो एशिया के सबसे अमीर बिजनेस मैन पर उम्मीदों पर खरा उतरने का दबाव बढ़ गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के कामकाज से परिचित लोगों और कंपनी के हालिया पब्लिक स्टेटमेंट से यह पता चलता है कि अब इस 63 वर्षीय खरबपति मुकेश अंबानी की नई प्राथमिकताएं हैं। इसके तहत अब वह एक पुरानी इकोनॉमी वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को ऊपर उठाकर टेक्नोलॉजी वाली ई-कॉमर्स कंपनी की ओर जाना चाहते हैं।

तेल और पेट्रोकेमिकल कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने की योजना के साथ भी आगे बढ़ रहे हैं अंबानी

हिस्सेदारी बेचने की योजना के साथ बढ़ रहे

अंबानी रिलायंस की तेल और पेट्रोकेमिकल कंपनियों में हिस्सेदारी बेचने की योजना के साथ भी आगे बढ़ रहे हैं। अंबानी यह इसलिए करना चाहते हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि इससे कंपनी के ऊपर लदे भारी भरकम बोझ में कमी आएगी। इसके जरिए आगे का फाइनेंस का काम आसान हो जाएगा। जैसे -जैसे अंबानी अपनी 179 अरब डॉलर वाली कंपनी के को आगे बढ़ाना चाहते हैं, निवेशक उनके हर कदम देख और परख रहे हैं। खासकर तब जब दुनिया महामारी से जूझ रही है। अमेजन तथा वॉलमार्ट जैसी कंपनियों से आगे चलकर उनका मुकाबला होने वाला है। इस साल सितंबर तक रिलायंस के शेयर में अच्छी तेजी रही और यह अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। फिर भी निवेशक आगे कोई बड़ा फैसला लेने से पहले अंबानी के हर कदम की जांच पड़ताल कर सुनिश्चित हो जाना चाहते हैं। 1981 में इंफोसिस लिमिटेड की स्थापना करने वाले नंदन नीलेकणि ने कहा कि दी ज्यूरी इज आउट। हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया।

उम्मीदों को पार कर गई कंपनी

निवेशकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया कंपनी की उम्मीदों को पार कर गई। क्योंकि केकेआर एंड कंपनी, सिल्वर लेक और मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी सहित बड़े नामों ने डिजिटल कारोबार में 20 अरब डॉलर और रिटेल में 6.4 अरब डॉलर का निवेश किया। रिलायंस ने अपनी खुद की डेडलाइन खत्म होने से नौ महीने पहले जून में खुद को नेट डेट से मुक्त घोषित कर दिया था। इससे रिलायंस के शेयरों में उछाल आ गया।

एक नजर

एससी छात्रों की छात्रवृत्ति बढाने पर प्रधानमंत्री का आभार माना:लालसिंह आर्य

ग्वालियर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति ,जनजाति एवं पिछ्डावर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री थावरचंद गेहलोत द्वारा अनुसूचित जाति एवं पिछ्डा वर्ग के उच्च शिक्षा के छात्र -छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति को केबिनेट से बढाकर 1100 करोड से 6000 करोड कर दिया है। इसके लिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति पिछ्डा वर्ग के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने धन्यवाद दिया है। भाजपा अनुसूचित जाति , जनजाति एवं पिछ्डा वर्ग के अध्यक्ष लालसिंह आर्य ने आज पत्रकारों से चर्चा करते हुये कहा कि केन्द्र की सरकार में एससी वर्ग के शिक्षा को बढावा देने सशक्तिकरण की यह एक बडी योजना है। इसमें प्रतिवर्ष कक्षा 11 से शुरू होने वाले सभी पाठयक्रमों में 60 लाख छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। उन्होने बताया कि यह योजना 1944 से अस्तित्व में है। पूर्व मंत्री आर्य ने कहा कि इसके लिये सबसे गरीब घरों से छात्रों के नामांकन करने का एक अभियान चलाया जायेगा। वहीं कक्षा दसवीं की पढाई छोडने वाले छात्रों को प्राथमिकता दी जायेगी। उन्होंने बताया कि अगले पांच वर्षों में लगभग 1.36 करोड सबसे गरीब छात्रों को छात्रवृत्ति दी जायेगी। लालसिंह आर्य ने बताया कि अगले चार वर्ष में लगभग चार करोड छात्रों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। छात्रवृत्ति के लिये प्रक्रियाओं को सरल बनाया जायेगा। इसके लिये एक पोर्टल शीघ्र ही तैयार किया जायेगा। आर्य ने बताया कि इसके लिये राज्य सरकार अभी 40 और केन्द्र सरकार 60 प्रतिशत राशि प्रदान करती है। इस योजना से जहां ड्रॉप आउट दरों को कम करने में मदद मिलेगी वहीं छात्रों को बिना किसी समस्या के अपनी शिक्षा पूरी करने में मदद मिलेगी। इससे सुधार के लिये उच्च पाठयक्रमों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया जायेगा। इस छात्रवृत्ति योजना में अगले पांच वर्षों में 59048 करोड रूपये खर्च किये जायेंगे। इसमें केन्द्र सरकार का शेयर 35534 करोड होगा। इस अवसर पर पत्रकार वार्ता में जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, हरीश मेवाफरोश, जिलाध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा धमेन्द्र आदि मौजूद थे।

शहर के कलाकारों की निखरेगी प्रतिभा

सुरजीत राजावत

ग्वालियर। ग्वालियर में नए कलाकारों के लिए ग्वालियर इवेंट कंपनी द्वारा एक ओपन माइक का आयोजन किया गया,जिसमें कई विधाएं रही।विधाओं में जीतने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया और उन्हें प्रोत्साहन दिया। ग्वालियर इवेंट कंपनी द्वारा शहर के युवा कलाकारों को मंच प्रदान कर उनकी कला को उड़ान के पंख लगाए ओपन माइक में कलाकारों द्वारा कविता संगीत स्टैंड अप आदि से सबका दिल जीता।पंकज उपाध्याय इस ओपन माइक की शान रहे। ओपन माइक के प्रमुख हर्षित प्रजापति साहित्य के प्रमुख शांतनु सिंह थे, कोऑर्डिनेटर अवनी और वैभव रहे और शहर के तमाम कलाकार जितेंद्र तिवारी सौम्या कटारिया, दिव्यांश जैन, उन्नति, रौनक, सुप्रिया, तरनजीत, सौरभ, चेतन आदि ने अपनी प्रतिभागिता को दर्शाया निर्णायक के रूप में कवि आशीष पाठक और दीपांशु शर्मा मौजूद रहे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आज

ग्वालियर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 31 दिसम्बर को प्रात- 11 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित होगी। सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा की जायेगी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा ने बताया कि दिशा की बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण योजना कार्यक्रम, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, वाटरशेड प्रबंधन, अमृत परियोजना, स्मार्ट सिटी के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, डबरा में बनने वाले सेंट्रल स्कूल निर्माण की प्रगति की समीक्षा की जायेगी।

तानसेन की जन्मस्थली बेहट सहित अन्य ऐतिहासिक स्थानों को पर्यटन स्थल के रूप में

विकसित करने 9.14 करोड़ की कार्ययोजना: श्री कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह एवं सांसद श्री शेजवलकर ने बेहट में किया, 2 करोड़ रूपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन

ग्वालियर। संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली बेहट सहित इस क्षेत्र के अन्य ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के लिये लगभग 9 करोड़ 14 लाख रूपए की कार्ययोजना बनाई गई है। यह कार्ययोजना राज्य सरकार ने अनुमोदित कर दी है और केन्द्र सरकार को मंजूरी के लिये भेज दी गई है। इस आशय की जानकारी प्रदेश के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने दी। श्री कुशवाह ने बुधवार को क्षेत्रीय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर के साथ बेहट में लगभग 2 करोड़ 14 लाख रूपए लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

जिन कार्यों का भूमिपूजन किया गया, उनमें लगभग एक करोड़ 31 लाख रूपए से अधिक लागत का नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन, 500 मैट्रिक टन क्षमता का खाद गोदाम व कार्यालय तथा सुर सम्राट तानसेन की साधना स्थली झिलमिल नदी के जीर्णोद्धार से संबंधित लगभग 43 लाख रूपए के विकास कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम वर्मा, एसडीएम मुरार ग्रामीण श्री एच बी शर्मा एवं जनपद पंचायत के सीइओ श्री राजीव मिश्रा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा तानसेन की जन्मस्थली बेहट, भदावना, काशीबाबा देव स्थल, देवगढ़ किला एवं जागेश्वर मंदिर को जोड़ते हुए एक टूरिस्ट सर्किट की कार्ययोजना बनाई गई है। इस टूरिस्ट सर्किल को दतिया जिले में स्थित प्रसिद्ध रतनगढ़ माता मंदिर, पीताम्बरा माई एवं ओरछा टूरिस्ट सर्किट से जोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा मुरार ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इन ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार की कार्ययोजना जल्द ही मूर्तरूप लेगी। उद्यानिकी राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि बेहट क्षेत्र के किसानों को अब खाद के लिये इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। एमपी एग्रो द्वारा यहाँ लगभग 40 लाख रूपए लागत से 500 मैट्रिक टन क्षमता का गोदाम बनने जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि भारत सरकार द्वारा बनाए गए नए कानून किसानों के जीवन में सुखद बदलाव लायेंगे। इसलिये किसी के बहकावे में न आएँ। सांसद श्री शेजवलकर ने संगीत सम्राट तानसेन की साधना स्थली के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार की शुरूआत होने पर खुशी जाहिर की। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा बनाए गए तीनों कृषि कानून पूरी तरह किसान हित में हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के जरिए सरकार ने सही मायने में किसानो को आजादी दी है। नए कानूनों के तहत किसान अब अपनी फसल मर्जी से मंडी में या उससे बाहर बेच सकते हैं। कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग का प्रावधान भी पूरी तरह किसान हित में है। फसल का अनुबंध करने एवं उसे तोड़ने का अधिकार पूरी तरह किसानों के पास है। अनुबंध केवल फसल का होगा न कि खेतों का । इसी तरह आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन कर सरकार ने किसानों को अपनी फसल के अच्छे दाम प्राप्त करने के लिये भण्डारण करने का अधिकार दिया है। मंत्री श्री कुशवाह ने इस दौरान तानसेन साधना स्थली पर कराए जा रहे विकास कार्यों का जायजा भी लिया। कार्यक्रम के अंत में बेहट सरपंच श्री वीरेन्द्र सिंह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

उद्यानिकी के मॉडल के रूप में विकसित होगा मुरार विकासखण्ड

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने इस अवसर पर जानकारी दी कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के 20 विकासखण्डों को उद्यानिकी फसलों के लिये मॉडल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसमें मुरार विकासखण्ड भी शामिल है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे उद्यानिकी फसलों के लिये भी आगे आएँ, सरकार इसके लिये अनुदान देती है। श्री कुशवाह ने उत्पादन के साथ-साथ खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ने का आह्वान भी किसानों से किया।

गाँव-गाँव में स्थापित होंगीं कम्प्यूटर लैब

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा कि बेहट सहित मुरार विकासखण्ड के विभिन्न गाँवों में जल्द ही कम्प्यूटर लैब स्थापित की जायेंगीं। इन कम्प्यूटर लैब के जरिए गाँव के युवाओं को निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जायेगा जिससे उन्हें रोजगार मिल सके।

दाँतों के इलाज के लिये लगेंगे विशेष शिविर

इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने यह भी जानकारी दी कि मुरार विकासखण्ड के सभी गाँवों में प्रदेश सरकार द्वारा निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर लगाए जायेंगे। इन शिविरों के माध्यम से दंत परीक्षण के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों के दांत भी सरकार के खर्चे पर लगाए जायेंगे।

संस्थापक प्राचार्य डॉ. कुन्टे की स्मृति में काढे के पैकेट का वितरण कर इम्यूनिटी बढ़ाने का संदेश: एन.एस.एस.द्वारा

ग्वालियर। कोरोना महामारी के पुनः दुबारा आने से चिन्तायें बढ़ गई है जिसकी जागरूकता के लिये कोविड-19 में राष्ट्रीय सेवा योजना माधव महाविद्यालय द्वारा अनेक प्रकार जागरूकता अभियान चलायें गये है। महाविद्यालय के संस्थापक पूर्व प्राचार्य स्व. डॉ. श्रीधर गोपाल कुन्टे के स्मृति में कोविड-19 के समय काढा वितरण का कार्य किया गया। यह संकट कार्य दुबारा वापस न आये जिसकी रोकथाम के लिये उरवाई गेट ग्वालियर पर गुनगुनी धूप का आनन्द लेते हुये योग का अभ्यास किया और धूमने वाले सैलानियों को काढे के पैकेट का वितरण किया। यह कार्य एन.एस.एस. स्वयं सेवकों द्वारा जिला संगठक ग्वालियर डॉ. मनोज अवस्थी एवं वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, माधव महाविद्यालय के नेतृत्व किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों द्वारा श्रंद्धांजली अर्पित करने के बाद काढे वितरण का कार्यक्रम करने स्वयं सेवक बाहर गये । जिसमें बाहर से आने वाले छात्रों की सुरक्षा हेतु महाविद्यालय ने कई प्रकार के सुरक्षा संबंधित कार्य कर रखे है। कोविड-19 के समय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाना आवश्यक है जिसके लिये माधव महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई द्वारा काढे के पैकेटों का वितरण कर सुरक्षित रखने का संदेश स्वयंसेवकों द्वारा दिया गया। कोरोना की भयावक स्थिति अनलॉक के समय देखी जा रही है। प्रतिदिन कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ना एक चिंता की बात है। ऐसे में इम्युनिटी पॉवर बढ़ाना स्वयं एवं परिवार के लिये आवश्यक है। राष्ट्रीय सेवा योजना समाज में जागरूकता का कार्य करती है। इसी के तहत प्रतिदिन महाविद्यालय में काढा बांटने का कार्यक्रम किया जा रहा है। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि ऐसा भयावक समय शायद जीवन में ना आये परन्तु यदि आता है तो इसे हम सभी लोगों को मिलकर सामना करना चाहिए। कोरोना से बचाव सिर्फ जागरूकता है। जागरूकता के द्वारा ही हम अपने आपको सुरक्षित रख सकते हैं। एन.एस.एस. माधव महाविद्यालय ग्वालियर इस प्रकार के कई जागरूकता कार्य शहर में कर रही है। कार्यक्रम में अंकुश अरोरा, अनिरूद्ध शर्मा, यश किरार, पूर्वी मोरगॉवकर, हेमन्त मांझी, आकाश राणा, अनुभव दीक्षित, तरूण रोहिरा, अंजली, अंकुर चौरसिया आदि लोग उपस्थित थे।

श्रीराम कथा के श्रवण मात्र से ही सभी कष्टों का नाश हो जाता है- प्रमिला बाजपेयी

ग्वालियर। ददरौआ दीनदयाल नगर में चल रहे श्रीरामयज्ञ व श्रीरामकथा में महिला आयोग की पूर्व सदस्य प्रमिला बाजपेयी मौजूद रही जिनके साथ में समाजसेविका श्रीमती अंजू शर्मा व श्रीमती रेखा सिकरवार मौजूद रही। उन्होंने कथा व्यास महाराज सच्चिदानंद जी के श्रीमुख से श्रीरामकथा में श्रीरामजानकी विवाह की कथा को श्रवण किया। श्रीरामकथा में सम्मलित हुयी प्रमिला बाजपेयी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुये कहा, कि श्रीरामकथा में सम्मलित हुयी इसके लिये वह अपना सौभाग्य मानती है श्रीरामकथा के श्रवण मात्र से ही समस्त कष्टो का नाश हो जाता है। प्रत्येक व्यक्ति को श्रीराम जी के आदर्शों को अपनाना चाहिए तथा उन विचारों पर मनन करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा, कि रामचरित्रमानस को सुनने के लिये प्रत्येक व्यक्ति को अपने व्यत्ततम समय से भी समय को निकालना चाहिए। मैं स्वयं अपने जीवन में श्रीरामचरित्रमानस से प्रत्येक गरीब, असहाय की मदद के लिये प्रयत्नरत हॅू। कथा के व्यवस्थापक पं कृष्णकान्त तिवारी ने बताया, कि श्रीरामयज्ञ श्रीराम कथा को सुनने के लिये लोगों में उत्साह इस मात्रा में है, कि भक्तगण पंडाल बराबर ही श्रद्धालु पंडाल के बाहर बैठे रहते है। भगवान श्रीराम की कथा सुनने के लिये लोगों में उत्साह देखने लायक है। इसके साथ ही उन्होनें बताया, कि श्रीराम कथा का आयोजन चार दिन और किया जावेगा। इससे पहले आपको बता दॅू, कि श्रीरामकथा में श्रीरामजानकी जी का भव्य रूप से विवाह का आयोजन किया गया। शहर में चल रही श्रीराम कथा को सुनने के लिये लगातार श्रद्धालुओं की लगातार भीड़ उमड़ रही है, जो शहर के युवा समाजसेवियों व शहर के समस्त नागरिकों के आपसी सहयोग से कराई जा रही है। श्रीरामयज्ञ श्रीरामकथा में बीते दिन समाजसेवी अमित खेमरिया, संजीव रजक, गौरव योगी, आकाश कौरव, अंकुर श्रीवास, गिर्राज रजक, पंकज, शुभम श्रीवास, अरविन्द्र श्रीवास, दीप्ति कौरव, विशाखा शर्मा व हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478